फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 214 प्रभात जयपुर, सोमवार 9 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Life and Death in the Dutch Fort at Sadras

In 1754, Sadras was deemed a sufficiently strategic place where to hold an aborted peace conference between the French and the British

Crude Oil Makes Fine Cloth

Ladies Don't Walk Alone! Social Etiquette from the Past That Would Shock You Today

भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

भारत ने न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गई है। पहली बार किसी मेज़बान टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर (89 रन) बनाया। ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए। आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाए। न्यूज़ीलैंड के जिमी नीशम को 3 विकेट मिले। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट व अक्षर पटेल ने 3 विकेट हासिल किए। जसप्रीत बुमराह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए "मैन ऑफ द मैच" व संजू सैमसन को "मैन ऑफ द सीरीज" चुना गया।

शंकराचार्य पर आरोप लगाने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

प्रयागराज, 08 मार्च। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ कोर्ट में यौन उत्पीड़न का केस दाखिल करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने अपने ऊपर चलती ट्रेन में हमले का आरोप लगाया है। आरोप है कि रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज जाते वक्त जानलेवा हमला किया गया, शिकायत प्रयागराज में राजकीय रेलवे पुलिस को की गई।

- **उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था।**

आशुतोष महाराज की तहरीर पर प्रयागराज के जीआरपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस इस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने आरोप लगाया है कि प्रयागराज आते समय उनपर फतेहपुर और कौशांबी जिले के सिराथू रेलवे स्टेशन के बीच हमला किया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि पांच बजे सुबह टॉयलेट जाते समय एक युवक ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। किसी तरह आशुतोष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने नया सुप्रीम लीडर चुना, औपचारिक घोषणा शीघ्र होगी

चर्चा है कि खामनेई का पुत्र यह पद सम्भालेगा, पूर्व में अमेरिका व इज़रायल ने इस नाम पर आपत्ति जताई थी

- **ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने बहुमत से नये लीडर का चयन किया है तथा इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है।**

तेहरान, 08 मार्च। ईरान में नया सुप्रीम लीडर कौन होगा यह तय हो गया है। हालांकि, अभी तक चयनित व्यक्ति के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विभिन्न समाचार एजेंसियों ने इसकी जानकारी दी है। सुप्रीम लीडर चुनने वाली संस्था, असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उम्मीदवार तय कर लिया है। संस्था के सदस्यों का दावा है कि बहुमत के आधार पर सबसे उपयुक्त उम्मीदवार को मंजूरी दी गई है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक्सपर्ट्स की असेंबली के सदस्य अहमद अलमोल्होदा ने कहा, "लीडर का चयन हो चुका है।" खुजेस्तान प्रांत का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य मोहसिन हेदरी ने ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के बहुमत ने उम्मीदवार के नाम पर सहमति दे दी है। संस्था के एक अन्य सदस्य, मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी ने भी इसकी पुष्टि की है। फार्स न्यूज एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि बहुमत की राय को दर्शाने वाला स्पष्ट निर्णय लिया जा चुका है।

फिलहाल, नए सुप्रीम लीडर के नाम की आधिकारिक घोषणा बाकी है, और इसके जल्द सामने आने की संभावना है। दूसरे सदस्यों ने इस फैसले को कन्फर्म किया है। एक ने कहा है कि मारे गए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे यह पद संभालेंगे। मोजतबा खामेनेई को उनके पिता का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह पद ईरान में सबसे बड़ा राजनीतिक और धार्मिक अधिकार है और देश के सभी मामलों में आखिरी फैसला इसी का होता है।

4 मार्च को जब मोजतबा का नाम सामने आया तो अमेरिका और इजरायल ने आपत्ति जताई थी। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि अगला लीडर चुनने में उनकी भूमिका होनी चाहिए और उन्होंने मोजतबा को खारिज करते हुए उन्हें लाइटवेट कैंडिडेट करार दिया था। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने इस बात को साफ तौर पर खारिज कर दिया है कि उत्तराधिकारी चुनने में ट्रंप की कोई भूमिका होगी।

इजरायल ने तो यहां तक कहा कि वो खामेनेई के हर वारिस का अंजाम उनके जैसा ही करेगा। एक्स पर फारसी में एक पोस्ट की, जिसमें इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि वह हर उस व्यक्ति को भी नहीं छोड़ेगी जो अयातुल्ला अली खामेनेई का वारिस नियुक्त करना चाहता है। आईडीएफ की पोस्ट में लिखा है, "तानाशाह खामेनेई को बेअसर करने के बाद, ईरान का आतंकवादी शासन खुद को फिर से बनाने और एक नया लीडर चुनने की कोशिश कर रहा है।" सेना ने चेतावनी दी, "हम वारिस चुनने की मीटिंग में हिस्सा लेने वालों को चेतावनी देते हैं कि हम आपको भी निशाना बनाने में नहीं हिचकिचाएंगे।"

ऊर्जा भंडारों पर हमला कर अमेरिका- इज़रायल ने खतरनाक चरण शुरु किया- ईरान

ईरान का कहना है कि ईंधन भंडारों पर हमले से जहरीले पदार्थ व खतरनाक गैसें वातावरण में फैलेंगी

- **अमेरिका ने कहा, यह हमला इज़रायल ने किया। इज़रायल ने कहा कि निशाना बनाये गए ईंधन डिपो का इस्तेमाल सैन्य अभियानों व बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में किया जा रहा था।**

तेहरान/वॉशिंगटन, 10 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका और इजरायल पर उसके ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान के ऊर्जा भंडारों और ईंधन डिपो पर हुए हवाई हमले युद्ध के खतरनाक नए चरण की शुरुआत को दर्शाते हैं।

बघाई ने कहा कि ईंधन भंडारों को निशाना बनाए जाने से जहरीले पदार्थ और खतरनाक गैसें वातावरण में फैल सकती हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है।

दूसरी ओर, इजराइली सेना के प्रवक्ता नादव शोशानी ने कहा कि जिन ईंधन डिपो को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल ईरान के सैन्य अभियानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा रहा था। इसलिए उन्हें वैध सैन्य लक्ष्य माना गया।

वहीं अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि वह ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना नहीं बना रहा है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका की ओर से ईरान के तेल या गैस उद्योग पर हमले की कोई योजना नहीं है और हाल के हमले इजराइल द्वारा किए गए हैं।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन पर केन्द्र सरकार ने प.बंगाल से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 08 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं करने के मामले में केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव ने चार बातें बताई हैं। राष्ट्रपति को

- **केन्द्रीय गृह सचिव ने प.बंगाल के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा।**

रिसीव करने और विदा करने के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक क्यों मौजूद नहीं थे। राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी नहीं था। प्रशासन ने जो रास्ता चुना था, वह कचरे से भरा था। दार्जिलिंग के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल ने बेरुत पर मिसाइलें दागीं, लेबनान कॉर्प्स के चार कमांडर मारे गए

लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार यह हमला बेरुत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र के एक होटल पर हुआ

- **इज़रायल डिफेन्स फोर्सेज़ ने कहा कि ईरान में हमलों की नई लहर शुरु की गई है, इसमें ईरान सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया गया है।**

तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/वाशिंगटन, 08 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इज़राइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है।

इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ के उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की धमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है। ईरान की भलाई इसी बात पर है कि वह बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दे। उन्होंने कहा कि अब इराक के कुर्दों से अमेरिका को मदद की जरूरत नहीं है।

यूजीसी नियमों के विरोध में हजारों सवर्णों ने प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 08 मार्च। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

- **बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा जंतर-मंतर व रामलीला मैदान पहुँचे।**

संसद सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली, 08 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

- **भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी व्हिप जारी किया।**

(नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा है राष्ट्रीय राजधानी का विकास - मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली की 33,500 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

- **प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज प्रारंभ की गई परियोजनाएं दिल्ली मैट्रो के नए कॉरिडोर व विस्तार तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवास से जुड़ी हैं।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पूर्वी व उत्तर पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले से अधिक आसान हो जायेगा।**

नई दिल्ली, 08 मार्च (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है बल्कि पूरे देश की छवि और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। राजधानी जितनी आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर कनेक्टिविटी वाली होगी, उतना ही भारत का आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और आवासीय ढांचे के विकास के माध्यम से राजधानी को नई दिशा दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, उनमें दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार योजनाएं तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का निर्माण शामिल है।

उन्होंने कहा कि मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से राजधानी में कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा लाखों लोगों को रोजमर्रा के जीवन में बड़ी सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों-गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिली है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली के लोगों ने नई उम्मीद और संकल्प के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई थी और उसके परिणाम आज विकास कार्यों के रूप में दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नारी शक्ति आज हर क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लाखों वाहन अब शहर में प्रवेश किए बिना ही अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं, जिससे राजधानी में ट्रैफिक का दबाव कम हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यमुना को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इस दिशा में करोड़ों रुपये के कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में कई आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना लागू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से पहले उन्होंने सरोजिनी नगर में सरकारी कर्मचारियों के लिए बनाए गए आधुनिक आवासीय परिसरों का दौरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

भारत का युवा: अवसर की खिड़की या बेचैनी का विस्फोट?

भारत को अक्सर दुनिया का सबसे युवा देश कहा जाता है। यह वाक्य हमारे सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे मंत्र की तरह दोहराया जाता है मानो इससे अपने आप हमारा भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन केवल युवा आबादी होना किसी देश की सफलता की गारंटी नहीं होता। इतिहास में ऐसे कई समाज हुए हैं जिनके पास युवा ऊर्जा तो बहुत थी, पर दिशा नहीं थी–और तब वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष में बदल गई।

आज भारत भी लगभग उसी दोराहे पर खड़ा दिखाई देता है।

भारत की लगभग पैंसठ प्रतिशत आबादीपैंतीसवर्ष से कम आयु की है और लगभग पचास प्रतिशत आबादी पच्चीस वर्ष से कम आयु की है। यह भी कि भारत में कामकाजी आबादी 2044 तक बढ़ती रहेगी। अर्थशास्त्री इसे डेमोग्राफिकडिविडेंड यानी जनसांख्यिकीय लाभांश कहते हैं। सरल शब्दों में इसका अर्थ यह है कि यदि बड़ी संख्या में युवा काम करने की स्थिति में हों, तो वे किसी भी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन ग़ौर तलब बात यह है कि यह लाभांश किसी बैंक खाते की तरह अपने आप नहीं मिलता। उसके लिए शिक्षा, कौशल और रोजगार की ऐसी व्यवस्था वांछित होती है जो इस ऊर्जा को उत्पादक शक्ति में बदल सके। उल्लेखनीय है कि हम हर साल सात–आठ मिलियन नए रोज़गार सृजित करेंगे तभी हमारी युवा आबादी बारोज़गार होगी। यहीं यह भी याद कर लिया जाए कि वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में 15–29 वर्ष के युवाओं में बेरोज़गारी की दर 13.8 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय अनुमान यह दर 16 प्रतिशत बताते हैं।

यहीं से भारत की कहानी थोड़ी जटिल हो जाती है। देखा जाना चाहिए कि क्या हम इतनी बड़ी आबादी को रोज़गार देने की स्थिति में हैं? क्या हम इस राह पर हैं? क्या हम इस राह पर थोड़ा भी आगे बढ़े हैं?

पिछले दो दशकों में भारत में शिक्षा का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। अगर मैं हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए उस वक्तव्य को याद न भी करूं जिसमें उन्होंने देश में हर रोज़ नए कॉलेज और हर सप्ताह नया विश्वविद्यालय खुलने की बात कही थी, यह एक यथार्थ है कि छोटे कस्बों तक कॉलेज पहुँच गए हैं, विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है और हर साल लाखों छात्र वहां से डिग्रियाँ लेकर निकल रहे हैं। यह संख्यात्मक विस्तार हमें आह्लादित करता है। लेकिन इस विस्तार के साथ एक विचित्र विडंबना भी पैदा हुई है–डिठियों की संख्या तो बढ़ी है, पर उन डिग्रियों की गुणवत्ता प्रश्नों के घेरे में क़ैद है। जब भी दुनिया के श्रेष्ठ शैक्षिक संस्थानों की कोई सूची निकलती है, हम उस सूची में अपने देश के संस्थानों के नाम ढूंढते रह जाते हैं। और चलिए कोई बात नहीं कि हमारे शैक्षिक संस्थान दुनिया के श्रेष्ठतम में शुमार नहीं हैं, दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इनमें से अधिकांश बदहाली के दौर से गुज़र रहे हैं। इनके पास न तो पर्याप्त शिक्षक हैं, न पुस्तकालय और न ऐसा सोच जो इनमें दी जा रही शिक्षा को प्रासंगिक बनाए रखे और यहां से डिग्री पाकर बाहर निकलने वाले युवाओं को रोज़गार दिला सके। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत के लगभग इक्यावन प्रतिशत स्नातक ही रोज़गार पाने की काबिलियत रखते हैं। मतलब बहुत साफ़ है। हमारे करीब आधे स्नातक तो रोज़गार पाने के काबिल ही नहीं हैं। कोढ़ में खाज यह कि रोज़गार के अवसरों की दुनिया भी अपेक्षित तेज़ी से नहीं फैली है। परिणाम यह कि आज भारत में लाखों ऐसे युवा हैं जिनके पास डिग्री तो है, पर नौकरी नहीं है। और न वे इस काबिल हैं कि कोई उन्हें नौकरी दे। यह स्थिति केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह एक सामाजिक मनोदशा भी पैदा करती है।

जब पढ़ा–लिखा युवा अपने भविष्य को अनिश्चित देखता है, तो उसके भीतर धीरे–धीरे एक मौन असंतोष जमा होने लगता है। इस असंतोष का एक अनोखा दृश्य देश के प्रतियोगी परीक्षा केंद्रों में दिखाई देता है। रेलवे, बैंक, राज्य सेवा, केंद्रीय सेवा–हर परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। एक पद के लिए सैकड़ों या हजारों उम्मीदवारों की भीड़ खड़ी रहती है। जितनी योग्यता किसी पद विशेष के लिए अपेक्षित होती है उससे बहुत ज़्यादा योग्यता वाले युवा भी उस पद के आकांक्षी होते हैं। अगर ऐसे किसी युवा को वह नौकरी मिल भी जाती है तो वह कुण्ठित रहता है कि उसके पास अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी नहीं है। इसके अलावा परीक्षा होती है, परिणाम आता है, फिर किसी कारण से प्रक्रिया रुक जाती है, फिर नई परीक्षा की घोषणा होती है। इस बीच वर्षों बीत जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था ने भारतीय समाज में एक नया वर्ग पैदा कर दिया है–परीक्षा–जीवी युवा। देश के कई शहर–कोटा, प्रयागराज, पटना, दिल्ली का मुखर्जी नगर–आज ऐसे युवाओं की प्रतीक्षा और परिश्रम के अजीब मिश्रण से भरे हुए हैं। उनकी ज़िंदगी का सबसे ऊर्जावान समय एक अनिश्चित प्रतीक्षा में गुजर जाता है।

तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यमियों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं।भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं।

इस पूरी कहानी में एक नया अध्याय डिजिटल क्रांति ने जोड़ दिया है।

आज का युवा पहले की किसी भी पीढ़ी से अधिक जागरूक है। उसके हाथ में स्मार्टफोन है और उसकी आँखों के सामने पूरी दुनिया है। वह देखता है कि दुनिया के दूसरे देशों में उसके समकालीन किस तरह अवसर पा रहे हैं, किस तरह अपने सपनों को आकार दे रहे हैं। यह तुलना स्वाभाविक रूप से आकांक्षाएँ बढ़ाती है। लेकिन जब आकांक्षाएँ तेज़ी से बढ़ें और अवसर धीमी गति से आएँ, तो बेचैनी पैदा होना लगभग अपरिहार्य हो जाता है।

राजनीति में भी युवाओं का नाम बहुत लिया जाता है। छात्र संघ चुनावों को युवाओं के लिए राजनीति के प्रवेश द्वार के रूप में प्रचारित किया जाता है। हर चुनाव में यह घोषणा सुनाई देती है कि युवा देश का भविष्य हैं। लेकिन यह भविष्य अक्सर भाषणों में ही दिखाई देता है। निर्णय लेने की वास्तविक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी भी सीमित ही है। युवाओं की ऊर्जा का उपयोग अधिकतर चुनावी प्रचार, सोशल मीडिया अभियानों या नारेबाज़ी में दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि पूरी तस्वीर निराशा से भरी नहीं है।

तकनीक, डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए कुछ नई राहें भी खोली हैं। कई युवा उद्यिमयों ने अपनी कल्पना और साहस से नए उद्योग खड़े किए हैं। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे अवसर अभी भी सीमित दायरे में केंद्रित हैं। भारत जैसे विशाल समाज में करोड़ों युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के लिए इससे कहीं व्यापक और गहरी व्यवस्था की आवश्यकता है। हमारे युवा अभी भी कामकाज के नए क्षेत्रों से अनभिज्ञ हैं। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों का पनपना यह बताता है कि युवा अभी भी मेडिकल और इंजीनियरिंग से आगे नहीं सोच पा रहे हैं। मां–बाप के सपने भी सीमित हैं। हम ऐसा कोई तंत्र विकसित नहीं कर पाए हैं जो युवाओं को यह बता सके कि उनके सामने रोज़गार के अपरिमित मौके हैं, बशर्ते वे उसके लिए तैयार हों।

तो फिर सवाल वही है कि क्या भारत अपनी युवा आबादी को केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि मानकर संतुष्ट हो जाएगा, या उसे एक रचनात्मक शक्ति में बदलने का साहस करेगा? इसके लिए सबसे पहले शिक्षा को डिग्री उत्पादन की फैक्टरी बनने से रोकना होगा और उसे कौशल, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच से जोड़ना होगा। हमें प्रारम्भ से ही अपने युवाओं को इस बात के लिए तैयार करना होगा कि उन्हें अपनी आजीविका के लिए नए–नए अवसर खोजने हैं। सरकारी नौकरी हरेक को नहीं मिल सकती है।

दूसरा, रोजगार सृजन को नीति का केंद्रीय लक्ष्य बनाना होगा–केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे नहीं, बल्कि उद्योग, सेवा क्षेत्र और उद्यमिता के विस्तार के माध्यम से। सबसे अहम बात यह कि हमें अपनी प्रारम्भिक शिक्षा व्यवस्था में ही यह सोच शामिल करना होगा कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है, और आप काम कहीं भी करें, उसमें निष्ठा और दक्षता ज़रूरी है। जब तक समाज में श्रम की महत्ता स्थापित नहीं होगी, हमारी समस्या बनी रहेगी।

और तीसरा, युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक मानकर प्रतीक्षा में नहीं रखा जा सकता। उन्हें वर्तमान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी देनी होगी।

इतिहास में हर वह समाज आगे बढ़ा है जिसने अपनी युवा ऊर्जा को अवसर में बदलने की कला सीखी है।

भारत के सामने प्रश्न बहुत सीधा है, पर उसका उत्तर अत्यंत कठिन! क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बना पाएगा,या वह अनजाने में एक बेचैन पीढ़ी तैयार कर रहा है?

सच यह है कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी है, लेकिन वही उसकी सबसे बड़ी परीक्षा भी है। युवा केवल संख्या नहीं होते, वे सपनों, आकांक्षाओं और अधीर उम्मीदों का संसार होते हैं। यदि उन सपनों को रास्ता मिलता है तो वही पीढ़ी राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताक़त बन जाती है; लेकिन यदि वे लगातार टलते रहें, तो वही ऊर्जा बेचैनी और असंतोष का रूप भी ले सकती है। इसलिए भारत के सामने असली प्रश्न जनसंख्या का नहीं, भविष्य का है–क्या यह देश अपनी युवा शक्ति को अवसर में बदलेगा, या उसे निराशा के हवाले कर देगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भारत अमेरिका व्यापार समझौता - आम आदमी, किसान, मजदूर की दृष्टि से

महावीर सिंह

भारत अमेरिका के बीच व्यापार समझौता यद्यपि पूरी तरह से अभी सामने नहीं आया किंतु मोटी सहमति जो मीडिया में, भारत के वो अमरीका के संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों ने साझा की है उस पर आधारित है यह लेख।

इस ट्रेड डील का अर्थ यों समझे कि अमेरिका भारत में कौन कौन सा सामान भेज पाएगा और भारत में प्रवेश पर उन वस्तुओं पर क्या टैक्स अर्थात टैरिफ लगेगा और भारत अमेरिकी बाजार में क्या उत्पाद किन टैक्स दरों पर बेच पाएगा।

इस समझौते का कई महीनों से इंतजार था, सब को, यानी सरकार, भारतीय उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों व दूसरे देशों को अपने अपने कारणों से इंतजार था। सरकार को भी इंतजार था और गैर सत्ता वाले राजनीतिक दलों को भी। सरकार को अपनी वाही वाही करवाने के लिए और विपक्षियों को सरकार की बखिया उधेड़ने के लिए। दूसरे देश इस बात का आंकलन करेंगे को उनके यहां के कौन कौन से उत्पादों पर भारतीय बाजार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और भारत से इस सिनेरियो में क्या माल आयात करना मुफीद रहेगा। भारत का किसान और दिहाड़ी मजदूर भी इसका इंतजार कर रहा था कि उसके दिन सही चलेंगे या उल्टे।

प्रथम दृष्टि में सरकार के अनुसार यह भारत के पक्ष में सर्वकालिक बढ़िया डील है और अमेरिका भी वाही वाही लूट रहा है अपने देश में और मुख्यत इस बात के लिए कि अमेरिका के किसानों और कृषि उत्पादों को भारत का 140 करोड़ उपभोक्ताओं वाला बाजार बिना टैरिफ के या न के बराबर टैरिफ पर। भारत के कृषि मंत्री, वाणिज्य मंत्री व दूसरे आला लोगों का कहना है कि भारत के किसानों के हितों कोई प्रतिकूल प्रभाव न तो पड़ेगा और न पड़ने देंगे। वैसे सोचने वाली बात यह है कि इस से अलग वे कह भी क्या सकते हैं? मंत्रियों की मजबूरी होती है सरकार के फैसलों का ढोल बजाना।

आओ,कुछ मोटी मोटी बातों पर विचार करें। इस डील की भारतीय उद्योग संघ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्रीज यानी फिक्की में प्रतिक्रियाएं दी है । फिक्की के अनुसार शुल्क कम होंगे, रेगुलेटरी अड़चनें कम होंगी, नए अवसर खुलेंगे। उद्योग संघ का कहना है इस डील में नीतिगत तालमेल,नियम आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। अधिकतर व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के द्वारा ऐसी प्रतिक्रियाएं देना आम बात है। आम लोग कहते है, इन संगठनों के पास ज्यादा कुछ कहने की कोई फ्रीडम भी नहीं होती। लेकिन यह बात भी सही है कि यह संगठन लगातार सरकार की नीतियों और व्यापार उद्योग पर उनके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों की समीक्षा करते रहते है। इनके पास विस्तृत रूप से अनुसंधान करते रहने के लिए सारी आधारभूत सुविधाएं होती है। सरकारें इन की बातों पर ध्यान देती है क्योंकि अन्य ओर महत्वपूर्ण कारणों के अतिरिक्त सरकार से इनके डेटा आधारित वार्तालाप के कारण भी। किसानों व मजदूरों के कोई इस प्रकार के सशक्त संगठन नहीं जो लगातार सरकारी नीतियों पर विचार–विमर्श, अनुसंधान करके सरकारों को सावचेत करते रहें कि क्या उनके हित में, क्या अहित में है।

मैंने एक फार्मा सेक्टर के सेवा निवृत्त अधिकारी से यह जानना चाह कि अमेरिका में निर्यात होने वाली दवाओं पर 0 टैरिफ से इस सेक्टर को तो बहुत लाभ होगा। उनका कथन था यूएसए का फार्म सेक्टर पूर्णतः तबाह है, अमेरिका की मजबूरी है 0 टैरिफ पर भारतीय दवाइयों का आयात करना।अब भी 0 तारीफ पर ही आयात कर रहा है।कुछ समय के लिए कुछ डंडा दिखाने का प्रयास किया था किंतु चला नहीं। इसलिए इसमें कोई वाही वाही वाली बात नहीं है। ज्वेलरी व कीमती स्टोंस के बड़े व्यापारी से भी पूछा कि आप लोगों की तो बल्ले बल्ले है इस नई डील में।

उनका कहना था वैसे तो अधिकतर बड़े निर्यातकों ने 25 –50 प्रतिशत टैरिफ की काट निकाल ली थी। अपने दफ्तर ऐसे देशों में जहां पर इन चीजों पर कम शुल्क था, वहां स्थापित कर लिए थे और वहां से यूएसए में सामान भेजने पर, टैरिफ का असर बहुत कम हो जाता था। अब सब काम जीरो टैक्स पर यहीं से 100 प्रतिशत सही–सही होगा। फिर कुछ, रिलीफ तो है ही। ओर बहुत से आइटम्स है जिन पर 25–50 प्रतिशत के बजाए 18 प्रतिशत टैरिफ लगने से सुविधा तो होगी जैसे चमड़े का सामान, रेडीमेड कपड़े, आदि उद्योगों, व्यापारियों को।इन सेक्टर्स में कुछ रोजगार जो पहले कम हुए, पुनः खुल सकते है।

आइए, अब जरा कृषि सेक्टर पर भी बात कर लें।

भारत सरकार की अब तक की नीति रही है कि भारत के कृषि सेक्टर को निर्बाध आयात के लिए नहीं खोला जाएगा। यद्यिप 18 अगस्त 2025 से 31 दिसंबर 2025 की समयावधि में अमेरिकन कपास को 0 प्रतिशत आयात शुल्क पर भारत में आने की इजाजत इस डील से पहले दी थी किंतु अब इस डील से पहले वाला टैरिफ 11 प्रतिशत भारत वसूल कर रहा था।

■ इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा

इस नई डील से अमेरिकन लंबे रेशे वाली कपास की एक निश्चित मात्रा में अत्यंत कम अथवा जीरो ड्यूटी पर आयात की संभावना है। इसका भारतीय कपास के बाजार मूल्य पर क्या प्रतिकूल प्रभाव होगा,यह आने वाला समय बताएगा किंतु सोचने वाली बात यह भी है कि क्या लंबी अवधि में भारतीय कपास का यह अमेरिकन कपास का स्थान तो नहीं ले लेगा?

आमतोर पर यह माना जा रहा है कि वस्त्र उद्योग जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है,उस पर निश्चित ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यूएस–बांग्लादेश डील में कुछ टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स (खासकर यूएस कॉटन से बने) पर जीरो या बहुत कम टैरिफ है और भारत पर 18 प्रतिशत टैरिफ रह गया। इससे 100 प्रतिशत कॉटन प्रोडक्ट्स में भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ सकती है।बांग्लादेश अब न्यूनतम टैरिफ पर यूएस कॉटन इंपोर्ट करके सस्ते प्रोडक्ट्स बना सकता है, जिससे भारतीय कॉटन यार्न एक्सपोर्ट्स (बांग्लादेश को) घट सकते हैं।

भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के अनुसार अमेरिकी सोयाबीन तेल पर भारत आयात शुल्क (टैरिफ) को पूरी तरह खत्म या कम करने पर सहमत हुआ है। इस समझौते से भारत में सोयाबीन तेल जीरो प्रतिशत ड्यूटी पर भारत में आ सकेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है और सोयाबीन तेल इसका बड़ा हिस्सा है। इसका प्रभाव नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हो सकते है । वर्तमान में क्रूड सोयाबीन तेल पर 16.5 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक ड्यूटी है । समझौते में इसे जीरो या कम करने की बात है। सरकारी कहना है कि यह आयात टैरिफ–रेट कोटा (टीआरक्यू) के तहत होगा, यानी एक निश्चित मात्रा तक ही छूट होगी, उसके बाद नॉर्मल ड्यूटी।

सोयाबीन तेल को समझौते में शामिल करने से अमेरिकी किसानों को तो निश्चित ही फायदा है लेकिन भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। 2024–25 में अमेरिकी सोयाबीन तेल निर्यात में 304 प्रतिशत वृद्धि हुई है। समझौते से यह और बढ़ेगा, जो घरेलू उत्पादन को प्रभावित करेगा।

भारत के बाजार में सोयाबीन के भाव गिर सकते है। इस दृष्टि से किसानों पर सकारात्मक प्रभाव सीमित हैं और नुकसान की भी संभावना है।

सरकारी मानना है कि इस से उपभोक्ताओं और इंडस्ट्री को फायदा, अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को भी। सस्ता आयातित सोयाबीन तेल से खाद्य तेल की कीमतें कम होंगी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स इंडस्ट्री को सस्ता कच्चा माल मिल सकता है, रोजगार बढ़ा सकता है।

समझौते में पोल्ट्री और पशुपालन सेक्टर से संबंधी बातों में, अमरीका को डीडीजीएस (डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स) और ज्वार जैसे पशु चारे पर भी 0 प्रतिशत अथवा कम टैरिफ पर निर्यात की छूट मिलनी है । माना कि अगर सस्ते पशु आहार से पशुपालन सस्ता होता है, तो डेयरी किसानों को फायदा हो सकता है। सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचा सोया मील पशुओं के लिए,मुर्गी पालन के लिए, फिशरीज के लिए अत्यंत पौष्टिक फीड माना जाता है।इस से सोयाबीन किसान को सोय मील बेचने का वैकल्पिक बाजार मिल सकता है, ऐसा सरकारी दृष्टि कोण है किंतु किसान जानते है यह सोया मील फैक्ट्री वाला ही बेचता है। किसान को शायद इस से कोई फायदा हो, ऐसा मेरा मानना है।

अमेरिका में सोयाबीन मुख्य रूप से जीएम है, और किसान संगठनों का कहना है कि आयात से जीएम उत्पाद भारत में घुस सकते हैं, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम है। भारत में जीएम फसलों पर प्रतिबंध है।

इस समझौते से भारतीय कृषि उत्पादों (जैसे मसाले, चाय, कॉफी, नारियल तेल) पर अमेरिकी टैरिफ कम होगा, जिससे कुछ, अत्यंत सीमित संख्या में, किसानों को फायदा हो सकता है। यद्यपि सरकार दवा कर रही है कि आयात कोटा आधारित होगा अर्थात केवल एक निश्चित मात्रा तक ही आयात होगा। कोई भी आइटम जो भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाए, वह समझौते में शामिल नहीं है। संवेदनशील उत्पादों जैसे डेयरी, मांस, मक्का, सोयाबीन (पूरा बीज), जीएम फसलें पर कोई छूट नहीं। सरकार का दावा है कि कृषि, डेयरी आदि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से किसानों को फायदा देगा। किंतु यदि इनका अनलिमिटेड आयात होगा है तो किसानों को फसलें बदलनी पड़ सकती है। नुकसान भी होगा।

आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ (बीकेएस), एसकेएम, ऑल इंडिया किसान सभा ने विरोध किया। उनके अनुसार यह समझौता ''अमेरिकी दबाव में आत्मसमर्पण'' है, और लाखों किसानों की आजीविका खतरे में है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इसे 'धोखा' कहा, और कहा कि यह सोयाबीन, मक्का, कपास आदि पर प्रभाव डालेगा। पहले से ही कम एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और बाजार अस्थिरता से परेशान किसान ओर प्रभावित होंगे।

कुल मिलाकर नकारात्मक प्रभाव ज्यादा लगते है, क्योंकि बढ़ते आयात से भारत में कृषि उत्पादों की कीमतें गिर सकती हैं। किसानों की आय प्रभावित होगी। लेकिन अगर सख्ती से लागू होता है, तो नुकसान सीमित रह सकता है। सरकार को बढ़ाने, फसल विविधीकरण और किसान सहायता की जरूरत होगी।

ओर आइए इस डील के उन भागों पर भी थोड़ी चर्चा करलें जो बेहद आपत्ति जनक लगते है ---

गत वर्ष तक भारत की वस्तुओं का अमेरिका में टैरिफ 3.3 प्रतिशत था यूएस ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया और अब कुछ शर्तों के साथ 18 प्रतिशत कर दिया!

यह कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, यद्यपि अभी सरकार की ओर से स्पष्टता का अभाव है।अमेरिका को यह अधिकार कैसे हो सकता कि वह यह तय करे के भारत किस से क्या खरीदेगा और किस से नहीं???? आज रूस, कल कोई ओर देश के लिए, अन्य किसी वस्तु के लिए ऐसा फरमान जारी होने का क्या अर्थ समझें?? रूस और ईरान से तेल नहीं खरीदने का अर्थ मोटे तौर पर 1 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार!!!!!

यह कि अमेरिका के एक मंत्रियों अधिकारियों का समूह लगातार यह समीक्षा करेगा कि भारत समझौते का पालना कर रहा है या नहीं?? माना यह अधिकार है किसी भी देश को है कि वह अपने देश हित में समझौतों की सही सही पालना सुनिश्चित करावे किंतु किसी समझौते में लिखना कतई उचित नहीं।यह एक धमकी जैसा है, किसी भी समय कोई भी आधार बनाकर डील निरस्त करने और मन मर्जी के टैरिफ फिर लगाने की ।

ओर यह भी कि सामान्यत इस प्रकार की ज्वाइंट घोषणाएं दो देशों के मंत्री या आला अधिकारियों की उपस्थिति में होते है। इसकी घोषणा पहले यूएसए ने की फिर भारत के वाणिज्य मंत्री में प्रेस कॉफ्रेंस में इसके बारे में बताया। ऐसा कम ही सुना गया था, होंगे इसके भी कारण सरकार के पास। खैर हर आदमी की अपनी अपनी सोच किंतु यह जो कि भारत द्वारा किस देश से क्या खरीदा जाएगा, क्या नहीं, इसका फैसला दूसरा देश लेगा तो यह हमारी संप्रभुता पर सीधा सीधा प्रहार है। नव उपनिवेशवाद शुरू, नहीं???

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

''हे विश्व के मानवों ! राष्ट्रवादी और फासिस्ट दृष्टिकोण के शासकों से सावधान !!''

मदन सिंह काला

वर्तमान युग वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी का है। पुराने वैज्ञानिक अनुसंधान गलत सिद्ध हो रहे हैं और नित नये अनुसंधान हो रहे हैं। आदमी की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मानव मस्तिष्क प्राकृतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यथा हवा, पानी आदि भौतिक संसाधनों के उपयोग की दिशा में तेजी से चौकाने वाले अनुसंधान करने में संलग्न है। राजनैतिक लोग अपने ही राष्ट्र को महान सिद्ध करने के सिद्धांत राष्ट्रवाद के नाम पर अपने लोगों को राष्ट्र पर न्यौछावर कर देने का माहौल बनाते हैं। इस हेतु वे प्राचीन वैश्विक विधाओं यथा युद्ध, धर्म और बीमारी से उत्पन्न परिस्थितियों में अपने राष्ट्र को श्रेष्ठतम सिद्ध करने के वक्तव्य देते हैं। जनता को राष्ट्रवाद की आग में झोंककर अपने व्यक्तिगत हितों को साधने का प्रयास करते हैं। जबकि वर्तमान वैज्ञानिक युग में हम आमजनों को यह समझ आ जाना चाहिए कि यह दुनिया इस तरह की क्यों बनी हुई है।

युद्ध शांति के बारे में नहीं है – यह एक व्यवसाय है। सरकारें इस हेतु भारी मात्रा में जनता से वसूले टेक्स के धन का दुरुपयोग करते हैं। युद्ध सामग्री अनेक देशों की कंपनियां सप्लाई करती हैं। मीडिया युद्ध भेरी बजाकर शांतिप्रिय जनता को भी जोश में ले आता है। और युद्ध में राष्ट्रवाद के नाम पर सैनिक मारे जाते हैं। लड़ाकू देशों की कंपनियों को भारी आर्थिक लाभ होता है जबकि देश खून से लथपथ हो रहा होता है। इस प्रकार हर युद्ध शासनाधिकारियों के लिए एक लाभकारी अवसर बन जाता है।

धर्म हमेशा गॉड के बारे में नहीं होता है। इसके द्वारा डर पैदा किया जाकर लोगों को मानसिक रोगी बनाया जाता है। उन मानसिक रोगियों से जीवन को सुखद एवं सुरक्षित बनाने का चमत्कार गठित करवाने का स्वप्न दिखाकर, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त धार्मिक लोग उन मासूम लोगों से उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा उन्हें मजबूर कर हड़प लिया जाता है। इससे लोगों को गरीबी के जाल में फंसाकर वे धार्मिक नेता अपने विशाल इम्पायर बना रहे हैं। इस प्रकार धार्मिकता की अपुष्ट धारणाएं साधारण बुद्धि के लोगों को धर्मभीरू बनाये रखने में सफल हो जाती हैं।

आम आदमी को अंधविश्वास, पाखंड और चमत्कार के चकाचौंध के दुष्प्रचार से गरीब रखे जाने का षडयंत्र वर्षों से चला आ रहा है। यहां तक कि अब तो मोक्ष अर्थात मुक्ति भी एक पेड सर्विस सी बन गई है।

वर्तमान समय में कोई भी बीमारी क्यों न हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में संलग्न राजनैतिक संरक्षण प्राप्त व्यवसायियों के लिए तो रोज सोने का अंडा देने वाली मुर्गी जैसी बन जाती हैं। इलाज ढूंढना इन व्यवसायियों के लिए लाभदायक नहीं होता है। इसलिए वे यह नहीं चाहते कि मरीज मरें – वे बस यह चाहते हैं कि बीमार व्यक्ति बजाए स्वस्थ होने के, जीवन भर दवाइयां लेता रहे और उनका व्यवसाय पनपता रहे। पहले वे आमजन को बीमारी के विज्ञापनों के माध्यम से डर बेचते है और फिर वे दवाई के रूप में राहत बेचते हैं। फार्मास्यूटिकल कंपनियां बीमारियों का इलाज ढूंढने के बजाए उन्हें मैनेज करने की दवाइयों से ज्यादा पैसा कमाती हैं। अब हेल्थकेयर एक मार्केटप्लेस है। और आम बीमार उनका कस्टमर हैं।

इस प्रकार से अब हम यह समझ सकते हैं कि युद्ध आमजन को डराए रखता है। धर्म आमजन को आज्ञाकारी बनाये रखता है। बीमारी आम आदमी को दवाइयों पर निर्भर रखती है।– राजनेताओं ने उनके संरक्षण में रहने वाले लोगों से साझेदारी का संबंध रख, इस अमानवीय अराजकता को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की दुहाई का रूप दे दिया है और अब यह एक सिस्टम बन गया है। और यह ठीक वैसे ही काम कर रहा है जैसे इसे डिज़ाइन किया गया था।

अतः इस वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय युग में, आम आदमी को जब सब प्रकार की सूचनाएं मिल रही हैं और सूचना तो वह शक्ति है, जिससे आदमी की सुषुप्त शक्तियां जागृत हो जाती हैं। ऐसी परिस्थिति में आमजन को चाहिए कि वे किसी भी देश के नागरिक क्यों न हों, इस धोखेबाज सिस्टम को नकारने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का विवेकपूर्ण उपयोग कर मानव की भलाई व सुखद जीवन के निर्माण करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। मानव ही महान है।

–मदन सिंह काला,
सेवानिवृत्त आई ए एस

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 9 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र सायं 4:12 तक, व्याघात योग प्रातः 7:56 तक, गर करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा प्रातः 9:30 पर वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज यमघट योग और कुमार योग सूर्योदय से सायं 4:12 तक है। रवियोग सायं 4:12 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 11:28 से आरम्भ होगी। आज श्री एकनाथ षष्ठि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:15 तक, शुभ 9:42 से 11:10 तक, चर 2:05 से 3:33 तक, लाभ–अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 6:28

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

गृह रक्षा विभाग को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने पर जोर

होमगार्ड्स को आधुनिक तकनीक के अनुरूप प्रशिक्षण दें, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें : वी. श्रीनिवास

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभाग के आधुनिकीकरण को राज्य सरकार की दीर्घकालीन परिकल्पना 'विकसित राजस्थान 2047' के अनुरूप गति देने पर जोर दिया।मुख्य सचिव ने कहा कि होमगार्ड स्वयंसेवकों को केवल आरक्षित सहायक बल के रूप में सीमित न रखते हुए उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम और मुख्यधारा में एकीकृत सहायक बल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन में उनकी अग्रिम भूमिका को और सुदृढ़ करने के साथ ही जयपुर सहित प्रदेशभर में यातायात प्रबंधन में उनकी संस्थागत और परिचालनात्मक भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

- मुख्य सचिव ने विभागीय कैडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष जताया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के अनुरूप होमगार्ड स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे बदलती चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

बैठक में मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी संरचना को मजबूत करने तथा एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण और सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता तथा दक्षता सुनिश्चित होगी और गृह रक्षा दल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक विश्वसनीय एवं तकनीकी रूप से सक्षम सहायक बल के रूप में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेगा।

समीक्षा के दौरान श्रीनिवास ने विभागीय कैडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में मौजूद विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर तीन माह के भीतर पुन: समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी और लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिए जाएंगे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत, महानिदेशक गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल, संयुक्त शासन सचिव गृह (ग्रुप-7) सोविला माथुर सहित निदेशालय के अधिकारी और प्रदेश के सभी जिलों के गृह रक्षा कमांडेंट उपस्थित रहे।

प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू हो चुका है। प्रदेश के 16 शहरों का दिन का पारा 37 डिग्री के पार दर्ज किया गया। पिलानी और बाड़मेर का दिन का पारा 40 पहुंच गया। 40.2 डिग्री के साथ पिलानी सबसे गर्म रहा। विशेष बात यह है कि जैसलमेर, बीकानेर और चूरू का दिन का पारा भी 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। 11-12 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ भागों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। शेखावाटी के साथ पश्चिम राजस्थान के अधिकांश शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के नजदीक पहुंच गया। अजमेर, जयपुर, वनस्थली, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, जालोर, फतेहपुर और झुंझुनूं का दिन का पारा 37 डिग्री के पार रहा। 22 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। इसके अलावा बाड़मेर, संगरिया और बीकानेर का रात का पारा 20 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज किए जा रहे हैं जो की सामान्य से 4 से 9 डिग्री ऊपर है।

राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री और बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। राज्य के दक्षिणी भागों में आगामी तीन दिन अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री दर्ज होने तथा 10-11 मार्च को दक्षिण-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हीटवेव दर्ज होने की संभावना है। राज्य के शेष अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन अधिकतम तापमान सामान्य से 4-8 डिग्री ऊपर जारी रहने की प्रबल संभावना है।

11 महिलाओं का सम्मान, उद्यम से जुड़ने का आव्हान

उद्योग मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर (कासं)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की के लिए सामाजिक जागरूकता बेहद जरूरी है और इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" योजना से देश में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और वर्ष 2014 के बाद महिला सशक्तीकरण को लेकर देश में नई सोच विकसित हुई है। उद्योग मंत्री रविवार को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे।

राठौड़ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में गांव और कस्बों में महिलाओं द्वारा संचालित छोटे-छोटे उद्यमों का बड़ा योगदान होगा। कार्यक्रम के दौरान उद्यम, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

मंत्री ने एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। विभिन्न योजनाओं के तहत दो महिलाओं को ऋण के चेक, नौ महिलाओं को स्वीकृति पत्र और दो महिलाओं को राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के माध्यम से भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेताओं को एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में ओडीओपी नीति के अंतर्गत आईसीईएस की 'कौशल वाहिनी-स्किल ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में रीको की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त मनीषा अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आयुक्त सुरेश ओला सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न उद्योग संगठनों की प्रतिनिधि महिलाएं भी मौजूद रहीं।

एम.डी. और स्मैक सहित चार तस्कर गिरफ्तार

16 लाख की एमडी और 6.8 लाख की स्मैक बरामद

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी और स्मैक की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 162.98 ग्राम एमडी, 34.05 ग्राम स्मैक, 9730 रुपए नकद और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद मादक पदार्थों की कीमत करीब 22.80 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी टीम ने गलता गेट, खो-नागोरियान और चित्रकूट थाना क्षेत्रों में संयुक्त कार्रवाई कर मादक पदार्थ तस्करों को पकड़ा। पहली कार्रवाई में गलता गेट थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल नगर जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने विकास (24) और भगत सिंह (25) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 162.98 ग्राम एमडी और एक मोटरसाइकिल जब्त की।

दूसरी कार्रवाई में खो-नागोरियान थाना क्षेत्र में आरोपी अजय सिंह मीणा (24) को गिरफ्तार कर उसके पास से 29.57 ग्राम स्मैक और 9730 रुपए बरामद किए गए। तीसरी कार्रवाई चित्रकूट थाना क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी मनोहर (26) को 4.48 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे के कारोबार के खिलाफ इस लड़ाई में पुलिस का सहयोग करें और ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

महिला से अभद्रता और मारपीट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शनिवार को सिंधी कैंप बस स्टैंड पर कार्रवाई करते हुए एक मनचले को गिरफ्तार किया है। आरोपी सार्वजनिक स्थान पर एक महिला मित्र को अपशब्द बोल रहा था और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा के नेतृत्व में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को ड्यूटी के दौरान यूनिट की टीम सदस्य सुमन, मुन्नी, ममता और शीला ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिंधी कैंप थाने के सहयोग से आरोपी को दबोचा।

3डी प्रिंटिंग और रोबोटिक्स से बोन ट्यूमर सर्जरी पर चर्चा

- आईएमएसओएस 2026-बीएमकॉन कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं इंडियन मस्क्यूलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय आईएमएसओएस 2026-बीएमकॉन कॉन्फ्रेंस का समापन रविवार को सफलतापूर्वक हुआ। देश-विदेश से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन हड्डियों के कैंसर से जुड़े आधुनिक उपचार, नई तकनीकों और चिकित्सकीय अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन मैलिग्नेंट बोन ट्यूमर-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर विशेषज्ञों ने विस्तृत विचार साझा किए। इस सत्र में बोन कैंसर के उपचार में पिछले वर्षों में हुए बदलाव, वर्तमान में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इसके साथ ही बोन सारकोमा के सर्जिकल मैनेजमेंट में 3-डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स और नेविगेशन तकनीक के उपयोग पर भी विशेषज्ञों ने जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि इन अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और प्रभावी बन रही है, जिससे मरीजों के उपचार परिणाम बेहतर हो रहे हैं।

कॉन्फ्रेंस के दौरान रीजनल एनेस्थीसिया वर्कशॉप भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से नई तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्कशॉप में एनेस्थीसिया से जुड़ी आधुनिक विधियों और उनके सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया, जिससे चिकित्सकों को अपने क्लिनिकल अभ्यास में इन तकनीकों को अपनाने में मदद मिल सके।

कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में आयोजित एक्सपीरियंस शेयरिंग सेशन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. मनीष अग्रवाल ने अच्छी क्लिनिकल प्रैक्टिस की स्थापना पर अपने विचार रखे। डॉ. फिलिप पी. टी. फुनोविक्स ने लीगेसी को जारी रखना - द वियना स्टोरी विषय पर अपने संस्थान की यात्रा और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. आशीष गुलिया ने वर्क-लाइफ बैलेंस - मिथक या हकीकत विषय पर चर्चा की। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अरविन्द ठाकुरिया ने बताया कि तीन दिनों तक चली इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में कुल 14 वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 44 आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं ने भाग लिया।

इसके अलावा 150 से अधिक फैकल्टी और 400 से अधिक प्रतिभागियों ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेते हुए अपने अनुभव साझा किए और मस्क्यूलोस्केलेटल कैंसर के नवीनतम उपचार तरीकों पर चर्चा की। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. प्रवीण गुप्ता ने विकसित कॉस्ट-इफेक्टिव इनोवेटिव टेक्निक्स विषय पर व्याख्यान दिया।

अवैध हथियार सहित युवक को दबोचा

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध हथियारों की धरपकड और रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में सिंधी कैंप थाना प्रभारी माधोसिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने इलाके में निगरानी रखते हुए सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राशिद मोहम्मद (32) निवासी कोटा को धारदार कटार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में एएसआई सुरेश कुमार,कांस्टेबल सतवीर और श्रवण कुमार की विशेष भूमिका रही।

आठ ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्मैक बेचते एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8 ग्राम अवैध स्मैक और बिक्री के 1670 रुपए नकद बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि शहर में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-द्वितीय) बजरंग सिंह शेखावत और सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्री नगर सुरेंद्र सिंह के निर्देशन में भट्टा बस्ती थाना प्रभारी दीपक त्यागी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी की मौत

जयपुर/अलवर। अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम बीएमडब्ल्यू कार पलटने से शकुन ग्रुप के एमडी वल्लभ माहेश्वरी (62) की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। माहेश्वरी जयपुर से गिरिराजजी (मथुरा) जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार हादसा रविवार शाम करीब 4 बजे एक्सप्रेस-वे के चेनेज 136.8 के पास हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और बैरिकेड्स तोड़ते हुए मीडियन में घुसकर पुलिया की दीवार से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सीमेंट के ब्लॉक तोड़ते हुए मीडियन पर अटक गई। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस ने दोनों को बाहर निकालकर पिनान अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर के हरीश हॉस्पिटल रैफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने वल्लभ माहेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार कार चालक को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद माहेश्वरी के शव को एंबुलेंस से जयपुर लाया गया है। वल्लभ माहेश्वरी शकुन ग्रुप की कई कंपनियों में डायरेक्टर थे।

वल्लभ माहेश्वरी

- अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे पर रविवार शाम हुआ हादसा

महिला सशक्तिकरण से राजस्थान बनेगा अग्रणी राज्य : जोगाराम पटेल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर (कासं)। नारी ही प्रगति की धुरी और महिला सशक्तिकरण से राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बनेगा। यह कहना है जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। पटेल ने हरीश चंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिणक रूप से सशक्त तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला ही सही अर्थों में राजस्थान को देश में अग्रणी राज्य बना सकती है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे बढ़ना चाहिए और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा समाज हित में किए जा रहे त्याग और समर्पण को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रतिदिन 2 से 5 किलोमीटर तक पैदल चलकर छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की मां के समान देखभाल करती हैं तथा किशोरियों और धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती हैं। उनका यह समर्पण समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को सशक्त नारी, सशस्त्र राजस्थान थीम पर जिला प्रशासन जयपुर एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रमा देवी चौपड़ा ने कहा कि हमारे राष्ट्र की प्रमुख द्रौपदी मुर्मू एक आदिवासी महिला हैं। उन्होंने कहा कि घर को स्वर्ग बनाने वाली भी मातृशक्ति ही है और आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश और प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही हैं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) जयपुर मुकेश कुमार मूंड, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेश डोगीवाल तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक पार्थवी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और महिलाओं के हित में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधि उपस्थित रहीं।

जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित समारोह में महिलाकर्मियों को पुरस्कृत किया।

मूर्तिकार महावीर भारती का सम्मान

जयपुर। स्वदेशी जागरण मंच, जयपुर प्रांत की ओर से आयोजित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में विशेष उद्यमी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने न केवल आर्थिक प्रगति की, बल्कि समाज में स्वावलंबन और स्वरोजगार के नए मानक स्थापित किए हैं। इसी कड़ी में, भारती शिल्पकला के निदेशक और देश के प्रतिष्ठित मूर्तिकार महावीर भारती को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उद्यमी सम्मान से नवाजा गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए महावीर भारती ने कहा कि मूर्तिकला केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इतिहास को सुरक्षित रखने का माध्यम है।

उन्होंने अब तक 100 से अधिक कला कर्मियों को प्रशिक्षित कर उन्हें कुशल शिल्पी बनाया है, जिससे मूर्तिकला के क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं। अष्टधातु, पंचधातु, पीतल, कांस्य और फाइबर ग्लास जैसे माध्यमों में उनकी निपुणता ने युवाओं के लिए इस क्षेत्र को एक सम्मानजनक करियर के रूप में प्रस्तुत किया है।

महिला दिवस पर पुलिस ने निकाला जयपुर में फ्लैग मार्च

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, स्कूल-कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की टीम ने शैक्षिणक संस्थानों, गर्ल्स हॉस्टल, मॉल, पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को छेड़छाड़ व उत्पीड़न से बचाव के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

इस अभियान के दौरान विभिन्न बस स्टैंड, पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर राजकॉप सिटीजन ऐप के क्यूआर कोड स्टिकर लगाकर करीब 1 हजार 705 महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही कई स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 7951 छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। पुलिस ने महिलाओं को 'नीड हेल्प' फीचर के साथ राजकोप सिटीजन ऐप डाउनलोड करने की जानकारी भी दी। इसके अलावा हेल्पलाइन के नंबर मोबाइल में सेव रखने की सलाह देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

चूरू में मुख्यमंत्री भजनलाल ने वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों का सम्मान किया

सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा गौरव सेनानी समारोह का आयोजन हुआ

चूरू/जयपुर। चूरू जिला मुख्यालय पर सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा रविवार को जिला स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया गया। आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्र हित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

गौरव सेनानी सम्मान समारोह में सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

- **अब जिला खेल स्टेडियम सगत सिंह स्टेडियम के नाम से जाना जायेगा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देश प्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की।

समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के वीरों ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभायी है। सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा राजस्थान से लगती है। यहां का हर नागरिक सेना के प्रति समर्पण की भावना रखता है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह व सगतसिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। देश की आजादी से पहले ही चूरू के धर्मस्तूप पर यहां के वीरों ने तिरंगा फहराकर आजादी के आंदोलन में रोशन किया था। उन्होंने कहा कि अब नया भारत आत्मनिर्भर भारत बना है। उन्होंने महिला दिवस पर वीर नारियों व वीरांगनाओं को शुभकामनाएं दी।

आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बताया कि समारोह में 7 हजार पूर्व सैनिक, वीर नारी व वीरांगनाओं ने भाग लिया। समारोह में पूर्व सैनिकों से प्राप्त 1700 समस्याओं का शत प्रतिशत समाधान किया गया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को देश का अतीत बताते हुए कहा कि देश की नींव इन्हीं के पसीने से रखी गई है। ऑपरेशन सिंदूर में भी इनका अमूल्य योगदान रहा है। देश की सेना में राजस्थान का 10 प्रतिशत सैनिकों का योगदान है। चूरू के 89 वीर सपूतों ने अपनी जान की आहुतियां दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्पलेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेरगढ़ और झुंझुनूं में इन कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वॉर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में पिछले 2 साल में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा कि फौजी कभी अकेला नहीं रहता, इसी उद्देश्य को लेकर गौरव सैनानी समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह आपसी जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक्स सर्विसमैन सैकण्ड लाइन ऑफ डिफेंस के रूप में कार्य करते हैं।

इस अवसर पर समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने वीर नारियों, वीरांगनाओं और भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। सीएम शर्मा ने शिविरों का अवलोकन किया और पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, विधायक हरलाल सहारण, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, संतोष मेघवाल, वासुदेव चावला सहित अनेक भाजपा नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

उदयपुर में तीन भालुओं ने किसान पर हमला किया, हालत गंभीर

तीन दिन में दूसरा हमला, खेत में रखवाली करने जा रहा था किसान

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में जंगली भालुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की सुबह एक और किसान इन खूंखार जानवरों के हमले का शिकार हो गया। भालुओं ने किसान के सिर,चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है।

- **भालुओं ने किसान के सिर, चेहरे और पैरों को बुरी तरह से नोच डाला**
- **ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए**

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 8 बजे करदा क्षेत्र के नोतल की भागल गांव की है। किसान पेमाराम गमेती अपने खेत पर फसल की रखवाली करने जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झाड़ियों से निकले तीन जंगली भालुओं के झुंड ने किसान पर हमला बोल दिया। भालुओं ने पेमाराम का शरीर बुरी तरह नोच डाला। घायल पेमाराम के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में मौजूद भेरूलाल सुथार मौके पर पहुंचे और शोर मचाया। ग्रामीणों के एकत्र होकर चिल्लाने पर तीनों भालू जंगल की ओर भाग गए। घायल पेमाराम को तुरंत गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया। तीन दिनों में यह दूसरा हमला है। इससे पहले शुक्रवार की रात रोयडा गांव में भी एक व्यक्ति पर भालुओं ने हमला कर दिया था। सूचना पर सायरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही वन विभाग के अधिकारी भरत मेघवाल भी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों का फिलहाल जंगल या खेत पर अकेले नहीं जाने की सलाह दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात रोयडा गांव में भी भालुओं के झुंड ने प्रेम सिंह राजपूत पर हमला कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह क्षेत्र कुंभलगढ़ अभयारण्य से सटा हुआ है जिसके चलते जंगली भालू अक्सर जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं। लगातार हो रहे हमलों से इलाके के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

अज्ञात जंगली जानवर ने हमला कर 160 मवेशियों को मारा

गंगापुर सिटी, (निसं)। सहजपुर गांव में शनिवार रात एक अज्ञात जंगली जानवर के हमले में लगभग 160 भेड़ों (मवेशी) की मौत हो गई। यह घटना खूंटला सलोना ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुई, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

पशुपालक बनवारी बैंसला और भीम सिंह गुर्जर के बाड़े में घुसकर जंगली जानवर ने इन भेड़ों को निशाना बनाया। ग्रामीणों के अनुसार, पशुपालन ही इन परिवारों की आजीविका का मुख्य स्रोत है और इस घटना से उन्हें गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और प्रशासन से शीघ्र उचित सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। गुर्जर ने कलेक्टर से फोन पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई का आग्रह भी किया। मानसिंह गुर्जर ने वन विभाग से भी इस घटना की गहन जांच करने और क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की अपील की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उनका कहना था कि पशुधन किसानों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित सहायता और ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

टोंक में दो पक्षों की कहासुनी के बाद पुलिस ने ड्रोन सर्वे किया

टोंक, (निसं)। पुरानी टोक क्षेत्र में हुई दो पक्षों की कहासुनी के बाद शहर में रविवार को पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया, जिसमें ऐसे घरों को चिन्हित किया गया, जहां पत्थर रखे गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सभी 20 मकान मालिकों को नोटिस देकर तीन दिन में छतों से पत्थर हटाने के निर्देश दिए, साथ ही ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

- **सर्वे में ऐसे घरों को चिन्हित किया, जहां पत्थर रखे गए थे**

पुरानी टोक क्षेत्र में पुलिस ने घटना के बाद ड्रोन सर्वे किया।

जानकारी के अनुसार गत छह मार्च की देर रात देशवाली मोहल्ले में कहासुनी के बाद दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने वाल्मीकि बस्ती पर पथराव किया था। वहीं दूसरे पक्ष का आरोप है कि पथराव उनकी ओर से हुआ था। हालांकि इसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई थी, लेकिन माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पुलिस ने मामले में 15 लोगों से पूछताछ की है।

पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कुछ लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया था। फिलहाल मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार रविवार को दो घंटे देशवाली मोहल्ला, वाल्मिकी मोहल्ला, निवाई दरवाजा समेत आसपास के मकानों पर ड्रोन उड़ाकर सर्वे किया गया। ड्रोन के फुटेज देखे तो उसमें 20 मकानों पर पत्थर, ईंटों के टुकड़े दिखाई दिए हैं। इसे पुलिस सभी बीस मकान मालिकों को चिन्हित कर तीन दिन में ये आपत्तिजनक सामग्री खाली करने के नोटिस दिए हैं। क्षेत्र में पुलिस जाब्ता तैनात है और निगरानी रखी जा रही है।

लूट की वारदात का खुलासा

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना आंबापुरा ने क्षेत्र में राह चलती महिला से सोने का टिक्का झपटने की वारदात का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर सोने का टिक्का बरामद किया। वहीं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की।

थानाधिकारी निर्भय सिंह राणावत ने बताया कि 16 फरवरी को प्रार्थिया शीला पत्नी पिन्टू उर्फ प्रेमशंकर डिंडोर ने रिपोर्ट दी थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर एएसआई पारचंद ने अनुसंधान प्रारंभ किया। थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। इस टीम ने संतोष पुत्र प्रभु दामा निवासी खड़देव केसरपुरा थाना आंबापुरा संदिग्ध होना पाया गया। थानाधिकारी राणावत ने बताया कि आरोपी संतोष घटना के बाद से घर से फरार चल रहा था। जिसके होली के त्यौहार पर उसके ससुराल गांव गदेड़ापाड़ा, पाड़ला थाना भूंगड़ा आने की जानकारी मिली थी।

एमडीएमए सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के दौरान मकान पर दबिश देकर अवैध एमडीएमए बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अम्बामाता थानाधिकारी मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के तहत मकान पर दबिश देकर 489 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर फरहान पुत्र अयाज मोहम्मद अंसारी निवासी गांधीनगर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। फरहान ने उक्त मादक पदार्थ प्रतापगढ़ जिले के अखेपुर निवासी फजल खान से खरीदना व शहर में अलग-अलग स्थानों पर बेचना स्वीकार किया है।

करंट से व्यक्ति की मौत

छबड़ा, (निसं)। कंकरवा गांव में कृषि कार्य के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वही मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी अनुसार पप्पू गाडरी (47) निवासी कंकरवा शनिवार रात को अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। तभी वह अचानक अचेत हो गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय लाए। यहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

नागौर में लोडिंग टेम्पो पलटा, शादी समारोह में जा रहे 15 लोग घायल

आवारा पशु को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद दो जनों को गंभीर हालत में रेफर किया

नागौर, (निसं)। नागौर जिले के बापोड़-बासनी रोड पर रविवार सुबह लोडिंग टेम्पू टैक्सी पलटने से 15 लोग घायल हो गए। सभी लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए बापोड़ से नागौर आ रहे थे। बासनी पुलिया से पहले अचानक सामने आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में टेंपो टैक्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से 5 घायलों को बासनी अस्पताल ले जाया गया, जबकि 10 घायलों को नागौर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

- **घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं**

हादसे में हुये गंभीर घायलों का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पीएमओ डॉ. आर.के. अग्रवाल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही हॉस्पिटल स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखा गया था। घायलों को अस्पताल पहुंचते ही तुरंत इलाज शुरू कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाए गए 10 घायलों में से 8 को प्राथमिक उपचार के बाद सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं दो घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों में 5 महिलाएं और कुछ बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसे में घायल सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं। वे बापोड़ से नागौर स्थित सेवा भारती संस्थान में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बासनी पुलिया से कुछ दूरी पहले अचानक सड़क पर आए आवारा पशु को बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद पलटे हुए टेम्पो टैक्सी को सड़क से हटवाया गया ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

भीलवाड़ा में दो जगह अवैध अफीम की खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करेडा थाना पुलिस ने अवैध अफीम की खेती पकड़ी है। पुलिस ने ग्राम केमरी में एक खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ज़ब्त मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 लाख 33 हजार रुपये बताई जा रही है।

थानाधिकारी पुरणमल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम केमरी में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा बुद्धराज व वृत्ताधिकारी आसीन्द ओमप्रकाश के सुपरविजन में टीम ने खेत पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 294 अफीम के पौधे बरामद किए, जिनका कुल वजन 16 किलो 300 ग्राम पाया गया। इसके साथ ही आरोपी के कब्जे से 103 ग्राम तैयार अफीम भी ज़ब्त की गई। पुलिस ने आरोपी श्याम लाल (40) पिता हेमाराम भील निवासी केमरी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अफीम की सप्लाई और अन्य नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

गंगापुर थाना के गांव डेलाना में अवैध अफीम की खेती पकड़ी।

- **करेडा थाना पुलिस ने खेत पर दबिश देकर 294 अफीम के पौधे और तैयार अफीम बरामद की**
- **ग्राम डेलाना में भी गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी**

ग्राम डेलाना में गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी : वहीं भीलवाड़ा जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांव डेलाना में दबिश देकर गेहूं की फसल के बीच उगाई जा रही अवैध अफीम की खेती पकड़ी है।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को पुख्ता जानकारी मिली थी कि डेलाना गांव में एक किसान ने अपने खेत में चालाकी से गेहूं की आड़ में अफीम बो रखी है। सूचना मिलते ही विशेष टीम और गंगापुर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और चिन्हित खेत पर छापेमारी की। जब पुलिस टीम खेत के बीच पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। गेहूं की ऊंची फसल के बीचों-बीच एक लंबी क्यारी में अफीम के सैंकड़ों पौधे लहलहा रहे थे। आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए अफीम को चारों तरफ से गेहूं की फसल से ढक रखा था।पुलिस ने सभी अवैध पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया है और उनका वजन व गिनती की जा रही है। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर खेत मालिक की भूमिका की जांच की जा रही है।

बाड़े से चार लाख के 31 मवेशी चोरी

पाटन, (निसं)। क्षेत्र की नई बस्ती मोहनपुरा में शनिवार रात चोरों ने एक बकरी पालक के बाड़े को निशाना बनाते हुए 31 बकरियां (मवेशी) चोरी कर ली। घटना का पता रविवार सुबह चला, जब बकरी पालक बाड़े पर पहुंचा और उसे खाली पाया। चोरी हुई बकरियों की कीमत करीब चार लाख रुपए आंकी गई है। घटना से पीड़ित परिवार की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार नई बस्ती मोहनपुरा निवासी संदीप यादव पुत्र कानाराम पशुपालन का व्यवसाय करता है। उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि रविवार सुबह करीब छह बजे जब वह अपने बाड़े पर पहुंचा तो वहां से 14 बड़े बकरे, 8 बकरियां और 9 छोटे बच्चे गायब मिले। बाड़े का दरवाजा खुला मिला और अंदर एक भी बकरी नहीं मिली । सूचना मिलने पर पाटन पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को बाड़े के पास वाहन के टायरों के निशान भी मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर वाहन में बकरियों को भरकर ले गए । पुलिस गांव के मुख्य रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

कोटा स्टेशन पर लाखों के आभूषण, नकदी व सामान सहित एक गिरफ्तार

ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के तहत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन "यात्री सुरक्षा" के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कोटा स्टेशन पर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी सहित 14 लाख 43 हजार 550 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1-ए पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसके बैग से एक संदिग्ध महिला पर्स बरामद हुआ। इसी दौरान रेलवे सुरक्षा बल चौकी पर लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए यह सूचना राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा के साथ साझा की गई। राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा द्वारा बताया गया कि एक महिला पर्स चोरी के मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्ति उक्त चोरी की घटना में शामिल पाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह (27), निवासी कोटा के रूप में हुई है। आरोपी के पास से लगभग 14,02,000 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा 41,550 रुपये नकद सहित कुल 14 लाख 43 हजार 550 रुपये की बरामदगी की गई। इस संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस, कोटा ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में छीनाझपटी, चोरी तथा शस्त्र अधिनियम से संबंधित कई प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल, कोटा की टीम के निरीक्षक सुमित रघुवंशी, सहायक उपनिरीक्षक अंबेश कुमार गौतम, आरक्षक अवधेश शर्मा तथा आरक्षक मुकेश कुमार मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल अथवा संबंधित अधिकारियों को दें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत : टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे-552 पर शनिवार को 60 साल की महिला का शव लहूलुहान हालत में मिला। जानकारी के अनुसार महिला शौच जाने के लिए घर से निकली थी। इस दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा घास गांव के पास स्थित हॉस्पिटल के सामने बताया जा रहा है। टोंक सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि सूचना पर पंहुची थाना टीम को मृत महिला रोड किनारे लहूलुहान हालत में पड़ी मिली, जिसे एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक महिला धापू देवी निवासी घांस जो शौच के लिए घर से निकली तो सड़क किनारे चलने के दौरान वे तेज गति से दौड़ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। धापू देवी के चार बेटे हैं, बड़ा बेटा लकवाग्रस्त है।

संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई तो 20 वर्ष बाद आवंटी को मिला भूखंड़ का कब्जा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन आमजन के लिए वरदान साबित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 आमजन के लिए वरदान साबित हो रही है। जयपुर निवासी एक परिवार को इसी हैल्पलाइन की मदद से 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भूखंड का भौतिक कब्जा मिला है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देशन में 20 वर्ष पुराने प्रकरण इस प्रकरण का समाधान हुआ है।

जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि, आवेदक हरदेवाराम कालेर को वर्ष 2006 में भूखण्ड संख्या 264 (क्षेत्रफल 324 वर्गमीटर) आवंटित किया गया था। वर्ष 2007 में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा क्षेत्र की रि-प्लानिंग के दौरान उन्हें भूखण्ड संख्या 274

(क्षेत्रफल 324 वर्गमीटर) आवंटित करते हुए संशोधित साइट प्लान जारी किया गया। हालांकि रि-प्लानिंग के दौरान हुए ओवरलैपिंग के कारण आवंटी को पूर्ण क्षेत्रफल उपलब्ध नहीं हो पाया, ऐसे में भूखण्ड का भौतिक कब्जा नहीं दिया जा सका और प्रकरण लम्बे समय तक लंबित रहा। राजस्थान सम्पर्क-181 पोर्टल पर प्राप्त परिवाद के पश्चात् जेडीए के जोन कार्यालय तथा अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ की संयुक्त टीम द्वारा स्थल का पुनः निरीक्षण किया गया। विस्तृत तकनीकी परीक्षण के उपरांत पाया गया कि भूखण्ड संख्या 270 से 273 की ओर से माप किए जाने पर भूखण्ड संख्या 274 को अनुमोदित मानचित्र के अनुसार पर्याप्त क्षेत्रफल उपलब्ध कराया जाना संभव है।

- **जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देशन में हुआ 20 वर्ष पुराने प्रकरण का समाधान**

इसके पश्चात आवेदक हरदेवाराम कालेर से फोन पर संपर्क कर उन्हें संशोधित कब्जा पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अवगत कराया गया। आवेदक द्वारा नागरिक सेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन करने पर जयपुर विकास प्राधिकरण ने मात्र 2 कार्य दिवस में संशोधित कब्जा पत्र जारी करते हुए 5 मार्च 2026 को भूखण्ड का भौतिक कब्जा सुपुर्द कर दिया। करीब दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद भूखण्ड का कब्जा मिलने पर आवेदक हरदेवाराम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन का आभार जताया है।

एम्बुलेंस में शव रखकर टूटी सड़क को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन

चांदपोल बाजार स्थित बाबा हरिचंद्र मार्ग पर हंगामे के कारण करीब एक घंटे तक लगा भारी ट्रैफिक जाम

जयपुर। चांदपोल बाजार स्थित बाबा हरिचंद्र मार्ग पर खराब सड़क को लेकर पार्षद अरविंद मेठी ने अपने समर्थकों के साथ एम्बुलेंस में शव रखकर विरोध-प्रदर्शन किया और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी। विरोध- प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन मौके पर पहुंचा और खराब सड़क को जल्द दुरुस्त करवाने का आश्वासन देकर विरोध-प्रदर्शन खत्म कराया।

वार्ड 101 के पार्षद अरविंद मेठी

- **पुलिस-प्रशासन के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी पार्षद व उनके समर्थक लौटे**

ने बताया कि विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन बटवाड़ा ने कई महीनों पहले सड़क निर्माण कार्य शुरु करवाने के लिए पुरानी सड़क तुडवा दी थी, लेकिन इसका निर्माण नहीं करवाया। जिसके चलते यहां के स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मेठी का आरोप है कि बाबा

चांदपोल बाजार स्थित बाबा हरिचंद्र मार्ग पर खराब सड़क को लेकर पार्षद अरविंद मेठी ने अपने समर्थकों के साथ एम्बुलेंस में शव रखकर विरोध-प्रदर्शन किया।

हरिश्चंद्र मार्ग पर रहने वाले अस्थमा के मरीज संदीप शर्मा (41) धूल मिट्टी से मौत हुई है। जिसका जिम्मेदार प्रशासन है। इंदिरा बाजार में शव रखने कर विरोध -प्रदर्शन के दौरान करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। जाम और विरोध प्रदर्शन की सूचना पर प्रशासन मौके पर पहुंचा। जिसके बाद आलाअधिकारियों ने खराब सड़क को जल्दी दुरुस्त करवाने का आश्वासन दिया और प्रदर्शन कारियों से शव को सड़क से हटाने की अपील की। प्रशासन की अपील के बाद दोनो पक्षों में सहमति बन गई।

101 बटुकों का उपनयन संस्कार

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से रविवार को कागलिया वाले बालाजी, मोरीजा रोड, चौमूं में भव्य सामूहिक उपनयन (जनेऊ) संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच आयोजित इस समारोह में 101 बटुकों का उपनयन संस्कार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, अभिभावक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने की।

इस अवसर पर विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान

- **वैदिक मंत्रों से गूंजा कागलिया वाले बालाजी परिसर**
- **ब्राह्मण समाज राजस्थान ने किया उपनयन कार्यक्रम**

से बटुकों को यज्ञोपवीत धारण कराया और उन्हें सनातन परंपराओं, संस्कारों तथा धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और उपस्थित लोगों ने इस आयोजन को समाज की संस्कृति और

चौमूं के नजदीक मोरीजा रोड पर कागलिया वाले बालाजी मंदिर में रविवार को उपनयन संस्कार कार्यक्रम आयोजित हुआ।

परंपराओं को मजबूत करने वाला बताया।

प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक ने कहा कि उपनयन संस्कार हिंदू संस्कृति का एक महत्वपूर्ण संस्कार है, जो बालक को शिक्षा, अनुशासन और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामूहिक आयोजन समाज में एकता और संस्कारों के संरक्षण का सशक्त माध्यम बनते हैं।

इस आयोजन के संयोजक भुवनेश तिवारी (जिला अध्यक्ष, जयपुर ग्रामीण) और सह-संयोजक बनवारी लाल शर्मा (जिला महामंत्री, जयपुर ग्रामीण) रहे। जिला कार्यकारिणी और समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. शारदा शर्मा सहित समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और अन्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान समाज के लोगों ने वैदिक परंपराओं के संरक्षण और समाज के

बस्सी में भात भरने आए 16 रिश्तेदारों को तेज रफ्तार कार ने कुचला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जमवारामगढ से बस्सी आकर 16 लोगों को रिश्तेदारों का भात भरना भारी पड़ गया। डीजे की धुन पर नाचते -गाते समय एक तेज रफ्तार कार ने 16 लोगों को गंभीर रुप से घायल कर दिया। जिसके बाद भात की खुशियां चकनाचूर हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी 16 घायलों को बस्सी के प्राइवेट अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। हालांकि इस हादसे में किसी ने कोई मामला दर्ज नहीं कराया है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को जमवारामगढ से 50 लोग भात भरने के लिए बस्सी आए थे। एनडीपीसी मोड पर रात करीब 9 बजे भात भरने 50 लोग डीजे पर नाचते-गाते मालियों की ढाणी जा रहे थे। तभी डीजे के पीछे धीरे-धीरे चल रही ऑल्टो कार के चालक से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब गया। जिससे

- **डीजे पर नाचते गाते लोगों पर चढ़ी तेज रफ्तार कार, ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबने से हुआ हादसा**
- **इस हादसे में सात लोग गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है**

कार ने अचानक से रफ्तार पकड ली और डीजे पर नाच रहे 16 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे चिकित्सक ने जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। हालांकि इस हादसे में किसी ने कोई मामला दर्ज नहीं कराया है।

"जामुन का पेड़" नाटक 15 मार्च को

जयपुर। रंगशिल्प की ओर से रवींद्र मंच के संरक्षण और उसके महत्व को लेकर 15 मार्च को सायं 7 बजे रविंद्र मंच पर व्यंग्य नाटक 'जामुन का पेड़' का मंचन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह नाटक प्रशासनिक व्यवस्थाओं और उनके कार्यकलापों पर तीखा व्यंग्य प्रस्तुत करता है।

साथ ही इसके माध्यम से रविंद्र मंच की वर्तमान स्थिति और राज्य सरकार की अनदेखी का मुद्दा भी उठाया जाएगा। रंगशिल्प का कहना है कि पर्याप्त बजट के अभाव में रविंद्र मंच की इमारत जर्जर होती जा रही है। सांस्कृतिक गतिविधियों में कमी और लोगों की घटती भागीदारी भी इसी का परिणाम है। रंगकर्मियों और विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं ने समय-समय पर सरकार से रविंद्र मंच के रखरखाव के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने की मांग की है। रंगशिल्प का उद्देश्य इस नाटक के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना है।

मां पन्नाधाय की प्रतिमा का अनावरण

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर गुलाबी नगरी जयपुर में आयोजित दो दिवसीय "शक्ति वंदन-भारत के स्व का अभिनंदन" महोत्सव नारी शक्ति, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गौरव के अद्भुत संगम का साक्षी बना। कार्यक्रम में समाज, प्रशासन, कला और शिक्षा जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। महोत्सव के तहत आयोजित मां पन्नाधाय नारी शक्ति महोत्सव में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने मां पन्नाधाय की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आज देश की महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, खेल और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को देवी का स्थान दिया गया है। महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास, शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से समाज को दिशा देने की क्षमता भी है।

निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण का उत्सव है। इसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं को मंच देकर अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर दिया जा रहा है।

11 मार्च को मनाई जाएगी शीतलाष्टमी

जयपुर। हिंदू परंपरा में स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ा पर्व शीतलाष्टमी 11 मार्च (बुधवार) को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस दिन शीतला माता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि,आरोग्य और रोगों से रक्षा की कामना की जाती है। पर्व की विशेषता यह है कि माता को बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में 'बासौड़ा' कहा जाता है।

पंडित महेन्द्र जोशी ने बताया कि शीतलाष्टमी हर वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन शीतला माता को एक दिन पहले तैयार किए गए शीतल भोजन का भोग अर्पित किया जाता है। इस बार शीतला अष्टमी का पूजन मुहूर्त सुबह 6:03 बजे से शाम 5:56 बजे तक रहेगा। शीतलाष्टमी से एक दिन पहले सप्तमी को घरों में राबड़ी, दही, पुए, कांजी बडे, दही बडे, बेजड़, बाजरे की रोटी, पूड़ी-पकौडी, पंचकूटे का साग, कढी-चावल सहित कई प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। अष्टमी के दिन इन्हीं पकवानों का माता को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। कई स्थानों पर महिलाएं समूह में मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करती हैं और परिवार की कुशलता की कामना करती है। पं. महेन्द्र जोशी के अनुसार शीतला माता की पूजा का धार्मिक के साथ स्वास्थ्य से भी संबंध है।

सेल्समैन से मारपीट करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

आरोपी ने 27 फरवरी को सांगानेरी गेट स्थित आईसीटीएल नेक्सा शोरूम के सेल्समैन मोहित गुर्जर के साथ रंगदारी को लेकर मारपीट की थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लाल कोठी पुलिस टीम ने सेल्समैन से मारपीट कर रंगदारी वसूलने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त लोहे का पाइप भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि 27 फरवरी 2026 को सांगानेरी गेट स्थित मिश्रा मार्केट में आईसीटीएल नेक्सा शोरूम के सेल्समैन मोहित गुर्जर के साथ रंगदारी को लेकर मारपीट की गई थी। हमले में सेल्समैन के दो-तीन दांत टूट गए और उसके शरीर पर गंभीर चोटें आई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रथम मनीष अग्रवाल के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस

- **पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त लोहे का पाइप बरामद किया**

ने तकनीकी साक्ष्यों और कडी मशक्कत के बाद आरोपी दानिश कुरैशी (32) निवासी रामगंज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी जयपुर उत्तर के रामगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है और वारदात के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी दानिश के खिलाफ जयपुर आयुक्तालय क्षेत्र में मारपीट, अवैध वसूली और अवैध हथियारों से जुड़े करीब 16 मामले दर्ज हैं। थानाधिकारी प्रकाश राम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को उसके ठिकाने से दबोचा। इस कार्रवाई में कांस्टेबल अब्दुल आमीन की विशेष भूमिका रही। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

ईद की खरीदारी से गुलजार हुए बाजार

जयपुर। रमजान माह का पखवाड़ा बीतने के साथ ही राजधानी के बाजारों में ईद की खरीदारी शुरू हो गई है। रोजा और इफ्तार के बाद शाम ढलते ही परकोटे के बाजारों में चहल-पहल बढ़ने लगती है और देर रात तक खरीदार खरीदारी में जुटे रहते है।

ईद के मद्देनजर जयपुर का रामगंज बाजार पूरी तरह गुलजार नजर आ रहा है। यहां के साथ ही दर्डा मार्केट, चांदपोल बाजार, खजाने वालों का रास्ता और बड़ी चौपड़ क्षेत्र में भी खरीदारों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है। कपड़ों, जूतियों, क्रॉकरी और खाद्य पदार्थों की दुकानों पर सबसे ज्यादा रौनक है। व्यापारी अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाकर ग्राहकों को लुभाने में लगे हैं। परकोटे के अलावा शास्त्री नगर, झोटवाड़ा, हसनपुरा और अन्य मुस्लिम बहुल इलाकों से भी लोग ईद की खरीदारी के लिए रामगंज बाजार पहुंच रहे हैं। शाम से शुरू होने वाली भीड़ देर रात तक बनी रहती है। रामगंज बाजार के कपड़ा व्यापारियों का कहना है कि रमजान की शुरुआत से ही बाजार में अच्छी हलचल है और ग्राहकों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। हालांकि पिछले साल की तुलना में फिलहाल बाजार थोड़ा धीमा है, लेकिन रमजान के अंतिम दिनों में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

10 लाख के जेवरात व विदेशी मुद्रा बरामद

जयपुर (कासं)। कानोता थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इलाके में हुई नकबजनी की वारदात करने वाले तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 10 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और विदेशी मुद्रा बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि कानोता थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इलाके में हुई नकबजनी की वारदात करने वाले अजय सिंह उर्फ गोपी (34) निवासी जामडोली, अजय गुप्ता (27) निवासी सुमेल रोड जामडोली और सूरज प्रजापत (35) निवासी तीतरवाडा जिला दौसा (हाल जामडोली) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे के आदी हैं और चोरी का माल बेचकर या गिरवी रखकर मिले पैसों को नशे में खर्च करते हैं। आरोपी अजय सिंह और अजय गुप्ता के खिलाफ पूर्व में सांगानेर, तूंगा और कानोता थानों में चोरी, किडनैपिंग और आबकारी अधिनियम के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठियां, चांदी के कड़े, पायजेब, चांदी की सिल्ली तथा

- **नकबजनी गिरोह के तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े**

दुबई और रियाल की विदेशी मुद्रा बरामद की है। थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि 14 जनवरी 2026 को परिवादी रमेश चंद बैरवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 जनवरी को वह अपने घर (आशियाना कॉलोनी) पर ताला लगाकर ससुराल गया था।

इसी दौरान अज्ञात बदमाश मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और सोने की अंगूठियां, चेन, कुंडल, करीब 750 ग्राम चांदी के कड़े, चांदी की ईंट, सिक्के, गुल्लक में रखी नकदी तथा करीब 700 दुबई दिरहम की विदेशी मुद्रा चोरी कर ले गए। इस घटना के खुलासे के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई और बरामदगी में हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह की विशेष भूमिका रही।

सार-समाचार

अर्बना रेजीडेंसी में क्लीनिक का शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान हॉस्पिटल की ओर से रविवार को मुहाना रोड स्थित अर्बना रेजीडेंसी में आरएचएल सहारा क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन राजस्थान हॉस्पिटल के अध्यक्ष डॉक्टर एस.एस.अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेंद्र भार्गव मौजूद रहे। गौरतलब है कि जे.एल.एन. मार्ग पर स्थित यह 650 बेडेड राजस्थान हॉस्पिटल प्रोजेक्ट, जिसमें वर्तमान में 350 बेड संचालित हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि राजस्थान हॉस्पिटल केवल एक अस्पताल नहीं बल्कि एक हीलिंग होम है। यहाँ विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ आईसीयू कैथ लैब पेटसिटी, एमआरआई और लिनियर एक्सीलरेटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। कार्यक्रम में अर्बनना रेजिडेंसी के पदाधिकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह मांकू, सचिव ललित किशोर पांडेय, उपाध्यक्ष चित्रा भार्गव और कोषाध्यक्ष पियूष माथुर सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

पांच बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। ब्रह्मपुरी पुलिस ने विशेष अभियान के तहत मादक पदार्थ, अवैध हथियार और सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार प्रकरण दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, चोरी की स्कूटी, चरस और जुआ-सट्टा राशि बरामद की है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश के बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक व सहायक पुलिस आयुक्त (आमेर) सुरेन्द्र सिंह राणावत के निर्देशन में थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में टीमों ने यह कार्रवाई की। कार्रवाई के तहत राजीव पुरी कॉलोनी निवासी राजेन्द्र कुमार शर्मा उर्फ राजू पिकअप (33) को अवैध धारदार कटार और मानसरोवर क्षेत्र से चोरी हुई होंडा एक्टिवा के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं रामगंज निवासी मोहम्मद यासर खान (33) को 19 ग्राम अवैध चरस के साथ पकड़ा गया, जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा जमवारामगढ निवासी महेन्द्र कुमार बुनकर (28) को सट्टे की खाईवाली करते हुए उपकरण व नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं चंदवाजी निवासी शौकत अली और जितेन्द्र मीणा को ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर जुआ राशि जब्त की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विजया रहाटकर आज लेंगी बैठक

जयपुर। महिलाओं की सुरक्षा और उनसे जुड़े मामलों की प्रभावी निगरानी को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर सोमवार को पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक लेंगीं। यह महत्वपूर्ण बैठक दोपहर एक बजे आयोजित होगी। जिसमें पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को अवार्ड्स और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

'फेफड़ों की बीमारियों का पता लगाने के लिए सटीक जांच जरूरी'

आंच ब्रीथकॉन 2026 में विशेषज्ञों ने कहा कि "इंटरस्टिशियल लंग डिजीज, टीबी और सी.ओ.पी.डी जैसी बीमारियों में खांसी, सांस फूलना और सीने में जकड़न के लक्षण समान, इसलिए सही जांच से ही निदान संभव"

आंच ब्रीथकॉन-2026 कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

जयपुर। फेफड़ों की कई बीमारियों के लक्षण एक-दूसरे से मिलते-जुलते होने के कारण कई बार सही बीमारी की पहचान में कठिनाई होती है। यह विचार रविवार को जयपुर में चल रहे आंच ब्रीथकॉन 2026 में विशेषज्ञों ने रखे।

वरिष्ठ चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. के. गुप्ता ने बताया कि इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आई.एल.डी), टीबी और सी.ओ.पी.डी जैसी बीमारियों में खांसी, सांस फूलना और सीने में जकड़न जैसे लक्षण समान हो सकते हैं, इसलिए सही जांच के माध्यम से ही इनका सटीक निदान संभव है।

उन्होंने बताया कि कई मरीज लंबे समय तक खांसी और सांस फूलने की समस्या को सामान्य समझकर इलाज लेते रहते हैं, जबकि वास्तव में उन्हें किसी अन्य प्रकार की फेफड़ों की बीमारी हो सकती है। ऐसे मामलों में एचआरसीटी स्कैन, फेफड़ों की कार्यक्षमता जांच (स्पाइरोमेट्री और डी एल सी ओ) तथा अन्य आधुनिक परीक्षणों की मदद से बीमारी की सही पहचान की जा सकती है।

विशेषज्ञों ने कहा कि आज के समय में प्रदूषण, धूल और पर्यावरणीय कारणों के चलते फेफड़ों की बीमारियों के मामलों में वृद्धि हो रही है। इसलिए यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक खांसी, सांस फूलना या थकान की समस्या बनी रहे तो उसे विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेकर उचित जांच करवानी चाहिए।

आंच ब्रीथकॉन 2026 के तहत आयोजित वैज्ञानिक कार्यक्रम में देश के कई विशेषज्ञ फेफड़ों की जटिल बीमारियों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। डॉ. राजकुमार इंटरस्टिशियल लंग डिजीज के आधुनिक निदान और उपचार के बारे में जानकारी देंगे, जबकि डॉ. साहजल सारकॉइडोसिस सहित अन्य जटिल फेफड़ों की बीमारियों के प्रबंधन पर अपने विचार साझा करेंगे। डॉ. गुप्ता ने कहा कि सही समय पर सही निदान और उपचार से मरीजों को बेहतर जीवन गुणवत्ता दी जा सकती है। फेफड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

ARBiT
it happens here...

Honouring Shared Heritage: Commonwealth Day

Commonwealth Day, observed annually on the second Monday of March, celebrates the unity, diversity, and shared values of the 54 member nations of the Commonwealth. The day highlights collaboration in areas like democracy, development, education, and human rights, while fostering a sense of global community. Originating from Empire Day in the early 20th century, Commonwealth Day has evolved into a platform for cultural exchange, dialogue, and mutual respect among nations spanning six continents. Through events, ceremonies, and educational initiatives, it reminds citizens of the importance of international cooperation, collective progress, and the enduring bonds that connect the Commonwealth family.

राष्ट्रदूत
MONDAY
09 March 2026
A-B

#DO-DON'T

Ladies Don't Walk Alone!

Social Etiquette from the Past That Would Shock You Today

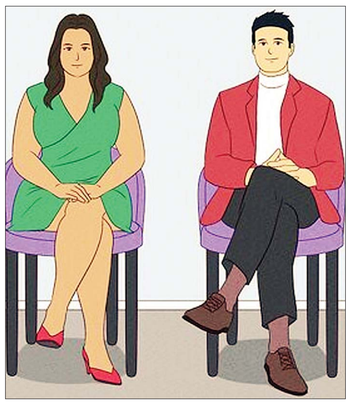

Throughout history, social norms and etiquette have played a critical role in shaping the way societies function. While many of these customs were deeply rooted in culture and class distinctions, some would seem downright shocking and impractical to us today. In earlier centuries, rigid social rules governed nearly every aspect of life, what people wore, how they behaved, who they could speak to, and even how they walked! Here are some old social etiquette rules that would undoubtedly shock you if they were still in practice today.

1. Ladies Must Not Walk Alone

In past centuries, especially in the 18th and 19th centuries, it was considered improper for women to walk alone in public. This was due to concerns about a woman's safety, reputation, and the preservation of her modesty. Women were expected to always be accompanied by a chaperone, usually a family member or an older woman, when they ventured outside, especially in public spaces like parks, streets, or even at social gatherings.

The reasoning behind this was twofold: first, it was believed that a woman walking alone was an easy target for unwanted attention or even assault, and second, it was feared that being seen alone would harm her reputation and suggest she was of questionable character.

2. Don't Speak to a Stranger Without Introduction

In earlier centuries, particularly in European aristocratic circles, speaking to a stranger without proper introduction was considered a breach of decorum. Social hierarchy and class divisions were rigidly enforced, and the idea of 'rank' was important. In formal settings, it was essential that an individual be introduced by a mutual acquaintance or someone of higher social standing before a conversation could commence.

This etiquette was meant to preserve the boundaries of social class and status. For example, a noblewoman would never speak to a commoner without prior introduction, and conversing with someone of a different social rank could be seen as overstepping one's position.

3. Cover Mirrors When Mourning

In Victorian England, it was customary for households in mourning to cover mirrors in the house. This bizarre practice was linked to superstition, grief, and the belief that mirrors could trap the soul. The Victorians held a deep fear of the afterlife and the possibility of souls becoming trapped in mirrors, so when someone passed away, it was believed that covering the mirrors would prevent the deceased's spirit from becoming confused or trapped.

4. Don't Cross Your Legs (Especially for Women)

In the past, crossing your legs, particularly for women, was considered a highly improper act. During the 18th and 19th centuries, the notion of 'ladylike' behaviour was tied to modesty, and one of the ways women were expected to demonstrate their refinement was by sitting with their feet flat on the floor or crossed at the ankles, never at the knees.

Crossing your legs at the knee was considered vulgar or indecorous because it exposed the legs in a way that was deemed inappropriate for women.

As society has evolved, so too have the norms and etiquette that govern how we interact with one another. While many of these past practices may seem outdated or overly restrictive, they were reflective of the times in which they were adopted.

Front gate at Sadras.

Life and Death in the Dutch Fort at Sadras

In 2003, the Archaeological Survey of India completed a detailed study of Fort Sadras and reconstructed some of its buildings. The compound includes a well, a kitchen, rooms with arched windows and floors made of square, rectangular and hexagonal bricks. The fort also had an underground drainage system. During the archeological digs, hundreds of fragments of artefacts were found. Earthenware and porcelain are often well preserved even in the most extreme environmental conditions. Archaeological findings show that the inhabitants of Sadras used beautiful delftware decorated with Dutchmen wearing hats, tents pitched in Holland, and coats of arms. Porcelain from China and pottery from England and Germany were also found, as well as Dutch clay pipes and glass jars with residues of white arrack.

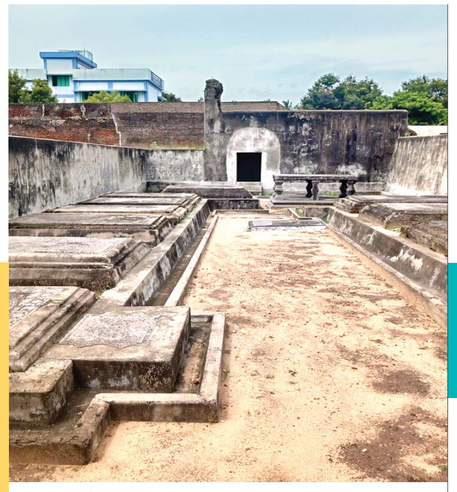

The tomb of Ammarentia Blockhovius and her son Petrus Hemsinck.

Kshema Jatuhkarna

Once a thriving Dutch colony, Sadras is an obscure town lost in the annals of history. Today, the echoes of its captivating past linger amidst the scattered ruins of Sadras Fort, where the legends of a ghostly Dutchman abound. Here is its story.

Everyone knows that Madras was the old name of Chennai, but have you ever heard of a place called 'Sadras?' Today, it is an obscure town, but 400 years ago, it was a very different place.

Sadras is midway between Madras and Pondicherry on the very same coast. In the 17th and 18th centuries, its claim to fame was precisely that, it was a Dutch colony, smack in the middle of a prosperous trade zone between British Madras and French Pondicherry.

Today, Sadras is a sleepy coastal village in Tamil Nadu, 40 miles south of Chennai. Tourists heading 10 miles north to visit the ancient temples of Mamallapuram might easily miss it. Just over a mile away is Kalpakkam, the site of the Madras Atomic Power Station. Between modern and ancient India, Sadras and its fort bear testimony to the role that this coast had in global trade, most especially in the seventeenth and eighteenth centuries.

Chennapattanam (Sadraspatnam or Sadras as it came to be known) was already a flourishing region of textile weaving and a port with international connections in the tenth to the sixteenth centuries. The area was well-known across the Indian Ocean for the production of fine textiles and for its trade in spices. This was one of the reasons that attracted European traders, first the Portuguese, and from the early seventeenth century, the Dutch East India Company (VOC). Dates for the Dutch presence in Sadras vary: the VOC signed an agreement with the ruler of the Carnatic in 1612, and over the next couple of decades established a permanent presence. A fort was built, named Fort Sadras, whose ruins today are still standing. By the early years of the eighteenth century, the Dutch had not just secured firm control of the fort from which they conducted trade but also leased the nearby villages from the the Moghul Diwan of South Coromandel.

Sadras, unlike its homophone Madras, did not evolve to become a metropolis, not even a city. The ruins of Fort Sadras are imposing but are also the only reminder of its past: in 1754, Sadras was deemed a sufficiently strategic place where to hold an aborted peace conference between the French and the British. Yet, most of its buildings were destroyed after its capture by the British in 1781 with further damage inflicted in 1795, 1818 and 1825 when the fort changed hands.

Written sources are not of much help in charting the history of Sadras: most of its archives has been lost, making its history much less known than that of nearby Pondicherry or Madras. More useful in reconstructing the history of Sadras are archeological sources, first among which are the very remains of its fort. Set at just 100 yards from the beach, the fort has a rectangular shape with an eastern wall facing the sea (with a bastion and ramparts for defense) and a western wall with an entrance with mounted cannons and a watch tower. The surviving buildings internal to the fort show its commercial purpose: they include warehouses and storerooms, stables and living quarters for the VOC employees, their families and servants.

The built environment of Sadras, visited in July 2023 by members of the CAPASIA team, provides a unique insight into the life and death of a factory. It is also a reminder that what we see today is the result of a layering of time, of profound changes and extensive damage caused by war and time, and the more recent restoration started in the 1990s.

Sadras fort ruins.

#HISTORY

Cotton printed bedspread with the Goslinga coat of arms.

In 2003, the Archaeological Survey of India completed a detailed study of Fort Sadras and reconstructed some of its buildings. The compound includes a well, a kitchen, rooms with arched windows and floors made of square, rectangular and hexagonal bricks. The fort also had an underground drainage system. During the archeological digs, hundreds of fragments of artefacts were found. Earthenware and porcelain are often well preserved even in the most extreme environmental conditions. Archaeological findings show that the inhabitants of Sadras used beautiful delftware decorated with Dutchmen wearing hats, tents pitched in Holland, and coats of arms. Porcelain from China and pottery from England and Germany were also found, as well as Dutch clay pipes and glass jars with residues of white arrack.

A piece of archeological evidence tells us about the economic activities within and around Fort Sadras. It is a circular structure (a tank) for dyeing cotton cloth. During the Dutch period, Sadras became a centre of high-quality cloth manufacture. The area from Pondicherry to Pulicat was home to the best cotton textile painters of the Coromandel Coast. One historian has argued that they could accurately reproduce designs given to them including European coats of arms that the printers would faithfully reproduce. Pieter van Dam at the end of the seventeenth century wrote that "the best (textile) painters of the Coromandel Coast were to be found at Sadraspatnam, both because of the neat way they handle their painting, and because of the pure water there, which gives everything the best sheen and fastness that cannot be imitated in other places." (vol. 2.2, GS76, p. 205) By this date, Sadras was considered a hub for the production of the best Coromandel textiles, most especially large palampores which were fashionable in the Netherlands.

Coat of arms at a grave, Sadras Fort.

European Coats of arms are also a motif across a different medium. From cloth to stone, they tell us about the challenging lives and the early deaths of some of Sadras' inhabitants. Best preserved within the fort complex is a cemetery that hosts around 20 graves of Dutchmen and women who lived and died in Sadras between the 1620s and the late eighteenth century. These tombstones might have been carved by local stone cutters, an occupation for which the Sadras area is still well known. The beautiful lettering and superbly-carved coats of arms of these tombs are tarnished by time and weather but they still allow us to decipher the lives and deaths of its occupants.

Most impressive is the gravestone of Ammarentia Blockhovius (1644-1670), wife of Lambert Hemsinck, who for twenty years between 1668 and 1688, was the chief (opperhoofd) and junior merchant at Sadras. As the gravestone tells us, Ammerentia died at the age of 25 years, 8 months and 21 days on the 1 February 1670 in childbirth and lay 'next to her daughter.' Another son had died in infancy at Palacole (Palakollu) in 1761. Another of her sons was to die age sixteen as the upper part of the gravestone tells us:

"Hier legt begraven PIETER HEMSINCK jongman geboren ten desen contoire Zadrangapatnam den 3en Augusti 1665,
overleden den 24en February 1682. Out zynde 16 jaren,
6 maenden, 21 dagen."

"Here lays buried PIETER HEMSINCK young man born at this factory Zadrangapatnam on the 3rd of August 1665,
died on the 24 February 1682. He was 16 years old
6 months, 21 days old."

We know little of Ammarentia apart from the fact that she came from a 'global' family, her father Petrus Dirksz Blockhovius (1610-1649) having died in Japan when Ammarentia was just 5 years old. More instead is known about her husband Lambert whose 20-year tenure at Sadras ended with a corruption enquiry. He is not buried locally: together with another son, he left in 1686 for Batavia to escape possible prosecution but also the anger of locals who had plundered his house in revenge for him having abused his concubine. Written sources reveal that Lambert Hemsinck had no less than 33 slaves, providing a small glimpse into the lives of the non-Dutch population who lived in Sadras.

Formed in 1602, the Vereenigde Oostindische Compagnie or the VOC, commonly known as the Dutch East India Company, was much more than just a trading company. It was a commercial-military conglomerate. Apart from carrying out trade, it was also empowered to negotiate treaties with Asian rulers, wage war, colonise, make laws, convict and execute prisoners, mint coins, and much more! It was the world's FIRST multinational mega corporation.

The VOC's first Indian trading station was at Masulipatnam in 1605, from where they traded extensively in textiles.

The story of Fort Sadras began about 111 km to its north, on the shores of Pulicat lake. Here, in 1606, a Dutch ship drifted in from the sea, and got stuck on the shores of Karimanal village. The sailors were tired and thirsty. A request for water advanced into a trade deal between the Dutch and the Vijayanagara Empire. But they were not the first foreigners on India's southeastern Coromandel Coast. The Portuguese had arrived here almost a 100 years earlier in 1502 and built a trading outpost. They were, understandably, not very happy about the new competition. Eventually, the Dutch managed to push them out of Pulicat and established a colony.

By 1612, the Dutch had expanded their territory to a town called Sadurangapattinam, and established weavers' colony, known for producing high-quality cotton. There was also a good deal of trade in pearls, edible oil and bricks. Seeing a business opportunity, the Dutch laid claim to it by building a fort. The name Sadurangapattinam was quite a mouthful for even the locals, who had shortened it to Sadirai. That too was tough on the Dutch tongue, so they called it Sadras.

By 1654, the fort enclosed a large muslin factory. But the elaborate fortifications were completed only in 1749, almost 100 years from when they began. The fort and the booming business inside it became the envy of other colonisers, including the British up north in Madras, and the French down south in Pondicherry. Things were heating up. War from continents away was riding towards India.

The American Revolutionary War, fought between 1775 and 1783, saw the British and the French on opposite sides. Since your enemy's friend is your enemy, the British declared war on the Dutch as well, because they refused to stop trading with the French. Using the same excuse, the British East India Company went on to capture French and Dutch outposts on the Coromandel Coast. The French navy was sent post haste to sort things out. As a result, on 17 February, 1782, the Battle of Sadras was fought. The British and French fleets met in the sea before Sadras Fort to fight a battle that lasted for three hours. No one won. But the British had taken the bigger beating and returned to Madras empty-handed. Sadras Fort, however, was not forgotten. Finally, in 1818, the British raided the fort and destroyed it.

What remains of Sadras Fort today are its ruins. Broken, chipped structures of elephant mounts, grand dining halls, cannons and granaries lie scattered in the compound, buried deeper everyday under the sand that blows in from the beach. The fort is an ASI (Archaeological Society of India) protected monument, but is not on the regular tourist map. What has survived best is the Dutch Cemetery with beautifully engraved Dutch graves of men and women buried here, far from home. Local legends talk ominously of the ghost of a noisy Dutchman lurking inside a fort well. Occasionally, it attracts Dutch visitors trying to understand their past.

Imagine the place as it must have been 400 years ago. A bustling, well-manned fort, overlooking a bay crisscrossed with ships traveling across the world, carrying muslin from Sadras. Today, Sadras is characterised by a tiny, obscure fishing community and a beach lined with brightly painted fishing boats. It is truly a piece of history hidden in plain sight.

rajeshsharma1049@gmail.com

Sadras fort cannon.

#FIBER

Crude Oil Makes Fine Cloth

Polyester, acrylic, nylon, and lycra dominate the global fiber production market, making up nearly 70% of total fiber production

Crude oil, often associated with fuel and energy, also plays a crucial role in the creation of some of the most popular synthetic fibers used worldwide. These fibers, including polyester, acrylic, nylon, and lycra (also known as elastane), make up a staggering 70% of global fiber production. Derived from refined crude oil, these materials have transformed the textile industry, offering everything from comfortable clothing to durable industrial products.

The Process of Creating Synthetic Fibers from Crude Oil

The journey from crude oil to synthetic fibers begins with the refining process, where crude oil is broken down into various chemicals. Among these chemicals, acids and alcohols play a pivotal role. Once separated, these chemicals undergo a process called polymerization. In this process, acids and alcohols are mixed, resulting in the formation of long molecular chains, known as PET (Polyethylene Terephthalate). This polymer forms the base of many synthetic fibers, including polyester and nylon.

Once the PET polymer is produced, it can be further processed to create different fibers such as polyester, acrylic, nylon, and lycra. These fibers are then spun into threads, which are woven or knitted to create fabrics used in everything from fashion to sportswear to industrial applications.

The Four Major Fibers Derived from Crude Oil

1. Polyester: The World's Most Popular Synthetic Fiber

Polyester is the most widely used synthetic fiber globally. Made from PET, polyester is durable, wrinkle-resistant, and easy to care for. It is a favourite choice in fashion, as it retains its shape well and resists fading and shrinking. Additionally, polyester is moisture-wicking, making it ideal for athletic wear. Polyester is used in a variety of applications, from everyday clothing like shirts and dresses to home textiles like upholstery and curtains.

2. Acrylic: The Wool Alternative

Acrylic is often described as the synthetic version of wool. Known for its softness and lightweight nature, acrylic mimics many of the positive characteristics of wool, such as warmth and insulation, but at a more affordable price. Acrylic fibers are easy to dye and maintain their colour over time, making them a popular choice for knitted garments like sweaters, scarves, and blankets.

One key advantage of acrylic is that it is moth-resistant and durable, making it an excellent choice for outdoor clothing or items exposed to regular wear. Additionally, acrylic is resistant to chemicals, ensuring long-lasting colors and textures.

3. Nylon: The Strong and Flexible Fiber

Known for its strength and elasticity, nylon is one of the most widely used fibers for products requiring flexibility and durability. It is abrasion-resistant, meaning it withstands wear and tear better than many other fibers. Nylon is lightweight, smooth, and offers high tensile strength, which makes it ideal for products that require a balance of comfort and long-lasting performance. This fiber is commonly used in hosiery, sportswear, activewear, and outdoor gear such as tents, ropes, and parachutes.

4. Lycra (Elastane): The Stretchy Wonder

Lycra, also known as spandex or elastane, is one of the most flexible fibers available, known for its remarkable stretchability. Lycra can stretch up to five times its original length, which makes it a favorite for garments requiring comfort and flexibility. It is commonly blended with other fibers like cotton or polyester to provide added stretch to fabrics, making them more form-fitting and supportive.

Lycra is predominantly used in sportswear, swimwear, and performance costumes because it offers freedom of movement and retains its shape. It is also found in underwear, leggings, and gym wear, providing excellent comfort and elasticity.

The Global Impact of Polyester, Acrylic, Nylon, and Lycra

These four fibers, polyester, acrylic, nylon, and lycra, dominate the global fiber production market, making up nearly 70% of total fiber production. Their widespread use in fashion, sportswear, industrial products, and home furnishings underscores their versatility and importance in modern life.

Polyester is particularly favoured for mass-market clothing and home textiles, while acrylic has found a place in winter wear and knitted goods. Nylon remains essential for industrial uses, activewear, and products requiring durability, and lycra is central to the athleisure trend, offering unparalleled stretch and comfort.

These fibers provide a cost-effective alternative to natural materials, and their durability makes them suitable for a variety of applications. However, their environmental impact, particularly in terms of plastic pollution and recycling challenges, is an issue being increasingly addressed by the industry, with efforts to create more sustainable alternatives.

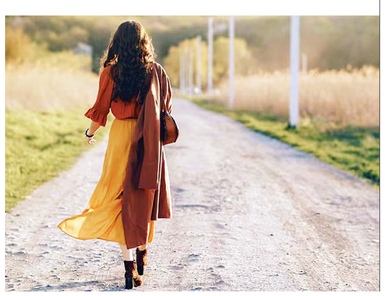

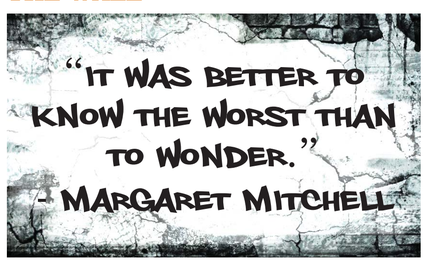

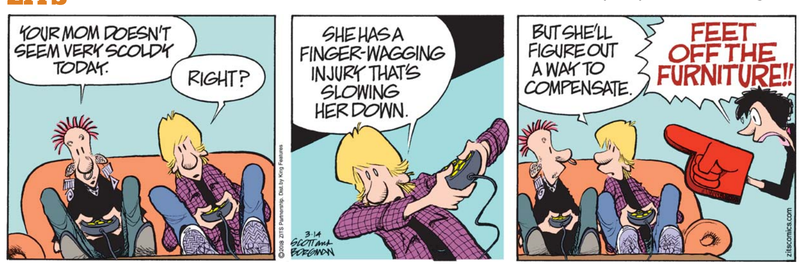

पावटा में गैस सिलेण्डर में आग लगने से घबराई महिला ने छत से छलांग लगाई

महिला ने छह माह के बच्चे को पहले ऊपर से फेंका, नीचे खड़े लोगों ने बच्चे को सुरक्षित पकड़ लिया

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के भीमसेन चौक स्थित चौधरी भूरामल प्रभुदयाल जैन के नाम से दुकान है। दुकान के ऊपर बने मकान में शीतलाष्टमी से पहले घर में व्यंजन बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें देख घबराई महिला ने अपनी जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी। इससे पहले उसने अपने छह माह के मासूम पोते को ऊपर से नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया, जहां मौजूद दादा व लोगों ने तुरंत पकड़कर सुरक्षित बचा लिया।

अभिनंदन जैन ने बताया कि मेरी पत्नी इंदु जैन घर में शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बना रही थी। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई। आग देखकर महिला घबरा गई और अपनी जान बचाने के लिए स्थिति गंभीर देख महिला ने पहले अपने छह माह के पोते आगम जैन को नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया,

विराटनगर पालिका फायर बिग्रेड ने ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया।

- शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई
- बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया

जिसे दादा अभिनंदन जैन व आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद महिला ने भी ऊपर से छलांग लगा दी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर महिला को संभाला। वहीं सूचना पर पहुंची विराटनगर पालिका फायर बिग्रेड द्वारा ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई व एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल भी मय टीम मौके पर पहुंचे व घटना का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के दौरान इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन अग्निशमन कर्मियों व लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

अगरबत्ती की फैक्टरी में लगी आग, लाखों का सामान जला

चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी में आग लगने से सामान जल गया।

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखंड के सामोद स्थित डेहरा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार शाम को एक अगरबत्ती बनाने की फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जैसे ही आग लगी फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चारों ओर धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अग्निशमन के दमकलकर्मियों ने

- प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है

तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया।

जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में आग लगने से लाखों रुपये का सामान चलकर राख हो गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। आग लगने के कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं हो पाया है। चौमूं अग्निशमन अधिकारी जय कुमार जांगिड़ ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि होना बाकी है। घटना स्थल पर चौमूं, जयपुर, और शाहपुरा की दमकलों से आग बुझाने का काम किया।

ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों का धरना जारी

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कुहाड़ा व पदमा की ढाणी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों द्वारा पिछले दो दिनों से लगातार धरना

- ओवरलोड ट्रकों से पत्थर गिरने व दुर्घटनाओं के कारण पशुओं तथा राहगीरों की जान को खतरा

प्रदर्शन किया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द सुनवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पत्थरों से भरे ओवरलोड डम्परों का तेज गति से संचालन किया जा रहा है,

कोटपूतली के ग्राम कुहाड़ा व पदमा की ढाणी सहित ग्रामीण क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों के संचालन के विरोध में ग्रामीणों का धरना जारी है।

जिससे आये दिन हादसे हो रहे हैं।

ग्रामीण कृष्ण गुर्जर ने बताया कि ओवरलोड ट्रकों से पत्थर गिरने व दुर्घटनाओं के कारण पशुओं तथा राहगीरों की जान को खतरा बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस, प्रशासन व परिवहन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से यह सब हो रहा है। इन ट्रकों से पशुओं, स्कूली बच्चों, राहगीरों व कृषकों की जान पर खतरा बना हुआ है। यदि प्रशासन ने जल्द कोई कार्रवाई नहीं की तो जन आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जायेगा। दो दिनों से जारी धरने में अभी तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस दौरान कृष्ण गुर्जर, रामसिंह, महावीर प्रसाद, मनीराम योगी, जयराम बोपिया, देशराज, शेरसिंह, सोनू सिंह, जयराम पोसवाल, रूघा सिंह, विमल, सरपंच हंसराज, अंकुर, सन्तोष गुर्जर, मायाराम आदि धरने पर मौजूद रहे।

चार हुक्काबारों पर दबिश

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता, बडगांव एवं सुखेर थाना क्षेत्र में पुलिस ने चार हुक्काबारों पर दबीश देकर मौके से 26 हुक्के, हुक्का उपकरण व सामग्री जब्त कर रेस्टोरेंट मैनेजर, कैफे संचालक सहित चार व्यक्तियों को डिटेन किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अम्बामाता थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ मय टीम ने हनुमानघाट स्थित ब्ल्यूमून रेस्टोरेंट पर दबीश देकर मौके से 6 हुक्के, 5 हुक्के पिलाने के पाइप, 18 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर मौके से शांतिलाल को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। इसी अभियान के दौरान अम्बावगढ़ स्थित कुराबड़ हिल रेस्टोरेंट पर बदीश देकर मौके से 3 हुक्के, तीन पाइप, चार चिलम व 9 फ्लेवर के डिब्बे जब्त कर महेन्द्र पुत्र बालकृष्ण को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं बडगांव थानाधिकारी मय टीम ने टाईगर हिल बडगांव में स्थित द ग्रीम फार्म रेस्टोरेंट पर कार्रवाई करते हुए मौके से 13 हुक्के, 20 हुक्का पाइप, 30 पैकेट फ्लेवर व सिगरेट जब्त कर रोस्टोरेंट के मैनेजर निर्मल कुमार पुत्र देवराम निवासी मेघवाल बस्ती कांसोली स्वरूपगंज सिरोही को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया। वहीं सुखेर थानाधिकारी व डीएसटी की टीम ने फ्रेड जोन कैफे 100 फीट रोड़ शौभागपुरा सुखेर पर कार्रवाई करते हुए 4 हुक्के, 4 हुक्का पाईप व 4 हचलम व 12 पैकेट फ्लेवर जब्त कर कैफे संचालक रामेन्द्र सिंह पुत्र प्रहलादसिंह को डिटेन कर प्रकरण दर्ज किया।

चूरू में राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सीएम भजनलाल को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की।

चूरू, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को चूरू दौरे के दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के आवास पर पहुंचे। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण के नेतृत्व में चंग बजाकर व पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राठौड़ ने सीएम को चूरू की प्रसिद्ध चंदन की कलाकृति भेंट की। अपने स्वागत से अभिभूत हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि चूरू की जनता भाग्यशाली हैं, जहां भाजपा के कदावर नेता राजेन्द्र राठौड़ का नेतृत्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आहवान किया कि डबल इंजन सरकार की जनहित की नितियां आमजन तक पहुंचायें। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को विकास की मुख्यधारा में लाने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह चौथा प्रवास है। उन्होंने चूरू को कृषि महाविघालय, एलीवेटेड रोड़, सेटेलाईट अस्पताल जैसी अनेक सुविधाएं चूरू को दी। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. वासुदेव चावला, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, पूर्व प्रधान विक्रम कोटवाद, प्रधान दीपचन्द राहड़, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, निकिता गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, विजय कस्वां, निर्मल सैन, दौलतराम प्रजापत, सुप्यार सिंह, रामचन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को 31 किलो फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल, मोहन खारड़िया, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, अजीत मेघवाल, असलम डायर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई करते हुए खोराबीसल थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और चार चले हुए खाली कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि इलाके में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था । रविवार को गश्त के दौरान हेड कांस्टेबल रामप्रताप गुर्जर को सूचना मिली कि नांगल जैसा बोहरा क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर घूम रहा है। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को डिटेन किया। पुलिस टीम ने जब युवक की तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकरण मीणा पुत्र गोपाल मीणा, निवासी बिलोद (चन्दवाजी) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली।

भीलवाड़ा पुलिस की 10 विशेष टीमों ने तीन राज्यों से 28 तस्करों को पकड़ा

राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। नशे के खिलाफ भीलवाड़ा पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और संगठित कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस की 10 टीमों ने राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में एक साथ दबिश देकर एनडीपीएस एक्ट में वांछित 28 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के नेतृत्व में 10 विशेष टीमों का गठन किया गया था। 18 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान में पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और सटीक मुखबिरी के आधार पर जाल बिछाया।

पुलिस टीमों ने अंतरराज्यीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए रेवन्त सिंह (बीकानेर), राजेश कुम्हार (नीमच,), गोल्डी उर्फ बलकिंत सिंह (जींद, हरियाणा), बलदेव सिंह (लुधियाना), और वरुण कुमार (सिरसा, हरियाणा) जैसे कुख्यात तस्करों को दबोचा है। इसके अलावा जोधपुर, जैसलमेर, नागौर, चित्तौड़गढ़ और डीडवाना-कुचामन जिलों के वांछित अपराधी भी पकड़े गए हैं।

इस पूरे ऑपरेशन का सुपरविजन पुलिस निरीक्षक राजूराम काला द्वारा किया गया। टीम में एएसआई आशीष कुमार, महिपाल, नेतराम, अर्जुन सिंह, सांवरमल, धर्मेन्द्र सिंह, उमराव अली सहित सायबर सेल और तकनीकी विशेषज्ञों का विशेष योगदान रहा। गोपनीय सूचना संकलन और तकनीकी विश्लेषण के कारण ही पुलिस अपराधियों के छिपने के ठिकानों तक पहुँच सकी। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिला पुलिस मादक पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी थमा नहीं है, बल्कि निरंतर जारी रहेगा। भविष्य में भी फरार अपराधियों और नशे के बड़े सौदागरों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने ऑटो चालक से लूटपाट की

गंगापुर सिटी, (निसं)। लालपुर-उमरी मार्ग पर शनिवार रात दो अज्ञात बदमाशों ने एक ऑटो को कट्टे की नोक पर रुकवाकर लूटपाट की। बदमाशों ने ऑटो ड्राइवर का मोबाइल फोन छीन लिया और महिलाओं से भी लूट की कोशिश की। हालांकि इसी दौरान पीछे से दो बाइक सवारों के आ जाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मीणा पाड़ा निवासी एक परिवार गंगापुर सिटी में एक शादी समारोह से ऑटो में सवार होकर अपने घर लौट रहा था। ऑटो में ड्राइवर के साथ कुछ अन्य सवारियां भी मौजूद थीं। लालपुर और उमरी के बीच सुनसान मार्ग पर पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों ने ऑटो के आगे अपनी बाइक लगाकर उसे रोक लिया। दोनों बदमाशों ने अपने चेहरे स्कार्फ से ढके हुए थे और उनके पास देसी कट्टा था। उन्होंने ड्राइवर को धमकाकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। छीने गए मोबाइल की कीमत करीब 19 हजार रुपए बताई जा रही है। इसी दौरान पीछे से दो अन्य बाइक सवार वहां पहुंच गए। उन्हें देखते ही बदमाशों ने एक बाइक सवार पर कट्टा तान दिया और तुरंत मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश पहले सवाई माधोपुर रोड की ओर भागे और फिर गंगापुर सिटी की दिशा में जाते हुए देखे गए।

बंदूक के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। निवाई पुलिस ने भांवता गांव से एक आरोपी को अवैध टोपीदार बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। निवाई थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि थाना की गठित टीम ने गश्त के दौरान की गई कार्रवाई में आरोपी सुरेश पुत्र कल्याण बावरिया को संदिग्ध अवस्था में देखकर उससे पूछताछ के बाद एक बंदूक जब्त की।

शाहपुरा : फूलडोल महोत्सव में श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली

भीलवाड़ा के पास शाहपुरा में निकले फूलडोल महोत्सव में आस्था का जन सैलाब उमड़ा। वहीं भक्तों ने श्रीवाणी जी की शोभायात्रा निकाली।

शाहपुरा, (निसं)। फूलडोल महोत्सव के तहत रविवार को धूमधाम के साथ श्रीवाणी जी की शोभायात्रा राम मेडिया से निकाली गई। शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची। वहीं बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों की ओर से जय जयकार लगाकर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में नगरवासी, भक्तजनों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। वहीं त्रिमूर्ति चौराहे पर जिला शाहपुरा संघर्ष समिति, अधिवक्ताओं ने एवं शहरवासियों ने कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा का

- शोभायात्रा राम मेड़िया से शुरू होकर मुख्य मार्ग से होते हुए रामनिवास धाम पहुंची, बारादरी में विभिन्न गांव के भक्तों ने जयकार लगाकर स्वागत किया

स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य जगतगुरु रामदयाल महाराज का अगला चातुर्मास भीलवाड़ा में होगा। रविवार पंचमी तक आठ शहरों से सोड़ा, भीलवाड़ा, मानवत महाराष्ट्र, शाहपुरा, कोटा, जयपुर, केकड़ी सहित कई स्थानों की अर्जियां लगी सभी भक्तजनों द्वारा बारादरी में विराजमान आचार्य रामदयाल महाराज के समक्ष अपने-अपने शहर में चातुर्मास करने की आवाज लगी, जिसमें आचार्य ने मुहूर्त के हिसाब से देखते हुए भीलवाड़ा में आगामी चातुर्मास करने की घोषणा की। भीलवाड़ा के भक्तजनों को गोटका प्रदान किया। स्वामी रामदयाल महाराज ने धर्मसभा में प्रवचन में कहा कि सबको अपने जीवन में धर्म का पालन करना चाहिए, जानवर भी धर्म का पालन करते हैं, लेकिन मनुष्य कभी भी धर्म का पालन सही तरीके से नहीं करता है। वह अधर्म करता है। गीता जैसे पवित्र ग्रंथ पर हाथ रखकर शपथ लेने के बाद भी अधर्म करते हैं। स्वामी रामदयाल महाराज ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता, इसलिए सदैव धर्म का पालन करते हुए सत्य की राह पर चलना चाहिए क्योंकि अंत में सत्य की विजय श्री होती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कोटा में निकाली साइकिल रैली

200 साइकिल सवारों ने रैली से महिला सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया

कोटा, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोटा शहर में महिला सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देती साइकिल रैली का आयोजन किया गया। "पेडल फॉर साइकिल" और "कोटा ग्रीन कम्युनिटी" के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में शहर की अनेक महिला साइकिलिस्टों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

- रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई

आयोजक हेमंत छाबरिया और प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि रैली महावीर नगर से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, नयापुरा पर संपन्न हुई। लगभग 200 साइकिल सवारों ने इसमें भाग लिया। रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में ऊषा बरदवा, आशिमा गोयल, प्रेम कंवर शक्तावत, ज्योत्सना खींची, नेहा शक्तावत, अचला त्रिपाठी, अंशु खंडेलवाल, श्वेता जैन, ममता शर्मा, गीतिका, वंदना, एकता कश्यप तथा डॉ.अर्चना मित्तल शामिल रही। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस की विशेष "कालिका पेट्रोलिंग यूनिट" ने भी भागीदारी की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा ने बताया कि यह यूनिट महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए गठित विशेष महिला सुरक्षा इकाई है, जो नीली वर्दी और काली स्कूटी के साथ शहर में तैनात रहती है। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में छात्राएं और महिलाएं 1090 (महिला हेल्पलाइन) या 112 पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य आशिमा गोयल, चंद्रेश शर्मा, रितेश जैन, रामावतार सुमन, कृष्णा पराशर, मनोहर द्विवेदी और पंकज शर्मा की विशेष भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने और अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

संक्षिप्त

महिला दिवस पर विमला देवी को किया पुरस्कृत

दूदू। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंजलि महिला एवं बाल उद्यान संगठन ट्रस्ट के द्वारा आयोजित एक समारोह में वंचित समुदाय में महिला अधिकारों एवं आजीविका संवर्धन हेतु संघर्ष संस्थान की विमला देवी को पुरस्कार प्रदान किया गया। विमला देवी ने अति वंचित समुदाय में महिलाओं के संगठन निर्माण कर घरेलू हिंसा सामाजिक कुरीतियों आदि के प्रति जागरूकता का कार्य किया और उनको आजीविका से जोड़ने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर, पूर्व मंत्री ममता भूपेश सहित जनप्रतिनिधि, मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का आयोजन अंजलि महिला एवं बाल उत्थान ट्रस्ट द्वारा बंधे के बालाजी में किया गया।

घर-घर गूंज रही ईसर की महक

निवाई। शहर के श्री चारभुजाजी मंदिर सहित ग्रामीण क्षेत्र के सभी मंदिरों व घरों में नव विवाहित महिलाएं व कन्याएं सामूहिक रूप से गणगौर का पूजन कर रही है। उलेखनीय है कि आस्था और श्रद्धा के साथ धुलंडी के दिन से महिलाएं गणगौर का पूजन कर रही है। यह एक ऐसा महोत्सव है, जिसकी महक 16 दिन तक घर-घर के वातावरण को महकाती रहती है। श्री चारभुजाजी मंदिर सहित कई मंदिरों व घरों में महिलाएं व कन्याएं गणगौर का पूजन कर रही है। घरों में गौर गौर गौमती, ईसर पूजे पार्वती, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती, माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है।

महिलाओं को किया सम्मानित

सिरस। रक्षण परियोजना द्वारा संचालित आई पार्टनर इंडिया द्वारा देव पैलेस में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें गांव नाहरवाडी, श्योसिंहपूरा, सिरस व कोटखावदा की 25 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लस्टर कोर्डिनिटर हरपाल बैरवा ने संस्था परिचय देते हुए महिला समानता कविता के साथ किया। एडवोकेट जगदीश प्रसाद ने महिला अधिकार और घरेलू हिंसा अधिनियम, वेश्यावृत्ति निवारण अधिनिय, महिला तस्करी, यौन उत्पीडन की रोकथाम अधिनियम पर चर्चा कर विस्तार से जानकारी दी। महिला दिवस पर महिलाओं का माला पहनाकर स्वागत किया व उपहार वितरित किए गए। इस अवसर पर यूथ मोबिलाइजर सोनू कुमार, केशव छाडी, मुस्कान छाडी, शीतल नंदवाल व सोनू नंदवाल सहित कई महिलाएं मौजूद थी।

पूर्व मुख्यमंत्री राजे का जन्मदिन मनाया

टोंक। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के जन्म दिवस के अवसर पर रविवार को मुख्यालय स्थित कंकाली माता मंदिर परिसर में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व

समाजसेवियों की प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करती हैं : बेढम

अलवर। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को थानागाजी के टहला में देवनारायण मंदिर परिसर में आयोजित मूर्ति अनावरण, प्रतिभा सम्मान समारोह, मेला और भंडारे के कार्यक्रम में शिरकत कर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. हेमसिंह भड़ाना एवं गुर्जर समाज के प्रमुख नेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया।

इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, पूर्व मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व विधायक रामहेत यादव, गजराज खटाना, बन्नाराम मीणा, डी.आर पटेल, मानसिंह गुर्जर, प्रेम पटेल, मूलचंदगुर्जर , शिवलाल गुर्जर, धीरेन्द्र खटाना, सुरेन्द्र भड़ाना सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने संबोधन में कहा कि समाज के महान नेताओं और समाजसेवियों की प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करना चाहिए, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि कर्नल किरोड़ी सिँह बैंसला के सामाजिक योगदान चीर स्मरणीय रहेगा।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों के जीवन चरित से सीख लेकर उन्हें आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाना स्वभाव से सरल, सतत समर्पण एवं विषम परिस्थितियों में काम करने वाले व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान रखते थे। उन्होंने थानागाजी क्षेत्र के विकास को आगे बढाते हुए वंचित व अंतिम पंक्ति के लोगों को आगे लाने के लिए निरन्तर सकारात्मक भाव से काम किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान, युवा, महिला व गरीब को आगे बढाने के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शिक्षा, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और युवाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कडी मेहनत और दृढसंकल्प से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। अत: युवा अपना लक्ष्य निर्धारित कर अपने माता-पिता के सपनों को साकार करें। कार्यक्रम में कृष्णा हेम सिंह भड़ाना ने अतिथियों का आभार जताया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बडी संख्या श्रृद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

- स्व. हेमसिंह भडाना व कर्नल किरोडी सिंह बैंसला की प्रतिमा का अनावरण व प्रतिभावान विद्यार्थियों और युवाओं को किया गया सम्मानित

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय हेमसिह भडाणा की प्रतिमा का अनावरण कर हाथ जोड़कर नमन किया।

रारह की सरपंच कुसुम सिंह का राष्ट्रीय मंच पर चयन

भरतपुर। डीग जिले की ग्राम पंचायत रारह की प्रशासक/सरपंच कुसुम सिंह का चयन भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित महिला पंचायत प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में महिला बीकन लीडर के रूप में किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन 11 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें देशभर के प्रत्येक राज्य से चयनित महिला सरपंच भाग लेंगी। विशेष बात यह है कि राजस्थान राज्य से इस सम्मेलन में भाग लेने वाली एकमात्र महिला सरपंच के रूप में ग्राम पंचायत रारह की सरपंच कुसुम सिंह का चयन किया गया है। राजस्थान सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी नेतृत्व, जनकल्याणकारी कार्यों तथा ग्रामीण विकास में सक्रिय भूमिका को देखते हुए कुसुम सिंह को राजस्थान राज्य की ओर से इस राष्ट्रीय सम्मेलन में नामांकित किया गया है। यह चयन न केवल ग्राम पंचायत रारह बल्कि पूरे डीग जिले के लिए अत्यंत गौरव का विषय माना जा रहा है।

'समाज को नई दिशा देने के प्रयास करें'

निवाई। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास में सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा ने कहा कि समय-समय पर अपने विचार एवं अपनी भावनाओं से अवगत करवाते हुए समाज को नई दिशा देने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विवाह सम्मेलन में भामाशाह तन, मन व धन का सहयोग करके सम्मेलन को सफल बनाएं।

राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम आलियाबाद ने बताया कि 1 मई को छात्रावास में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होगा। सम्मेलन को लेकर 51 जोडों का लक्ष्य रखा गया है। जोड़ों का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। बैठक में 8 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन किया गया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोर-शोर पर चल रही है।

- 1 मई को छात्रावास में होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन,
- 51 जोडों का लक्ष्य
- 8 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन

जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण सूरिया, महामंत्री मांगीलाल महाराजपुरा व जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में वर-वधु के तोरण के लिए अलग से पांडाल तैयार किए जाएंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन में पूछताछ कार्यालय, चिकित्सा व्यवस्था, पाणिग्रहण संस्कार, जनकपुरी, अयोध्यापुरी, भोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग विशाल पांडाल बनाए जाएंगे। स्वागत द्वार भी सजाया जाएगा। 1 मई को सुबह निकासी निकाली जाएगी। उसके बाद तोरण व वरमाला कार्यक्रम होगा। उसके पश्चात जोडों का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न होगा। इसके बाद आशीर्वाद समारोह का आयोजन होगा। जिसमें अतिथि सम्मान समारोह, आशीवार्द समारोह, विदाई समारोह व स्नेह भोज सहित कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का निमोचन किया गया।

इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभूलाल कुईवाले, प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण काजला, सहकोषाध्यक्ष गोपाललाल शर्मा, टोंक तहसील अध्यक्ष प्रेमनारायण शर्मा, तहसील अध्यक्ष गोपीलाल शर्मा, रामपाल सिंगवाडिया, छात्रावास समिति अध्यक्ष सियाराम भौंगा, पूर्व अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा, जिला महामंत्री मांगीलाल शर्मा, राधेश्याम सिंगवाडिया, मदन आलियाबाद, रामावतार भौंगा, एडवोकेट हनुमान शर्मा, मुकेश चैनपुरा व हनुमान महाराजपुरा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

कोटपूतली। प्रजापति विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को राजा दक्ष प्रजापति छात्रावास में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता गंगाराम प्रजापत ने की। इस मौके पर सभी सदस्यों ने सर्व सहमति से निर्णय लिया कि आगामी बैठक 18 मार्च अमावस्या को राजा दक्ष प्रजापति छात्रावास में की जायेगी। प्रजापति छात्रावास समिति को बने हुये लगभग 2.5 वर्ष हो गये, 2023 से अब तक समिति ने छात्रावास का संचालन किया हैं, जिसमें समिति ने आय व्यय का रिकॉर्ड भी तैयार किया होगा, लेकिन छात्रावास समिति ने आज तक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया हैं। राजा दक्ष छात्रावास समिति अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी ने आगामी 18 मार्च को आय व्यय का रिकॉर्ड व प्रबंधन व्यवस्था के बारे में रिकॉर्ड लेकर अध्यक्ष एवं पदाधिकारी के साथ छात्रावास उपस्थित होने की बात कही। इस मौके पर हाल ही में नवनिर्वाचित प्रजापति महासंगठन के कोषाध्यक्ष नरेश प्रजापत व उपाध्यक्ष रामकरण प्रजापत का स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

अलवर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हनुमानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उद्बोधन को तन्मयता से सुना तथा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाडो प्रोत्साहन योजना पोर्टल और साथिन डिजिटल मार्गदर्शिका को भी लांच किया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला सहित अतिथियों द्वारा पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना 2026 के अंतर्गत रामगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत ढाढोली निवासी ज्योति रानी को सर्वश्रेष्ठ साथिन के रूप में 11 हजार रुपए की पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार माता यशोदा पुरस्कार से 9 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को 5100-5100 रुपए एवं 9 सहायिका को 2100-2100 रुपए पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोनम सिंह, उषा शर्मा, सुनीता रानी, सुनीता गुप्ता, अनीता शर्मा, धुड़ी देवी, इंदू, फरमीना, सुनीता जाटव एवं सहायिका सरोज गुप्ता, कांता देवी, अफरोज खान, चंदा टांक, संगीता यादव, अनीता मीणा, सोमवती, अनीता यादव, भावना शर्मा को सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं को पुरस्कार से सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विचार-संगोष्ठी का आयोजन

अलवर/जयपुर । अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति अलवर ने अन्य बिरादराना संगठनों के साथ मिलकर महिला सम्मान एवं महिला समानता के प्रतीक पर्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाया। इस अवसर पर एक विचार-संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, अखिल भारतीय किसान सभा, क्रांतिकारी मजदूर संगठन सीटू , अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, ई-रिक्शा यूनियन के नेतृत्वकारी साथी तथा कार्यकर्ता साथी शामिल हुए। जनवादी महिला समिति की प्रांतीय कोषाध्यक्ष रईसा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास तथा महत्व के बारे में बताया। जनवादी महिला समिति की जिला सचिव अनीता ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में हमें एक बेहतर और समतामूलक समाज बनाने के लिए सामूहिक रूप से मिलकर साझा प्रयास करने होंगे। सीटू के जिलाध्यक्ष साथी मोहनसिंह राघव ने इस अवसर पर सबका सम्मान करते हुए कहा कि हमें साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा दूसरे देशों पर युद्ध थोपने का विरोध करते हैं क्योंकि युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाएं एवं बच्चे भुगतते हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा के साथी महेन्द्रसिंह ने सबको अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए महिला किसानों की समस्याओं पर चर्चा की और उनकी बेहतरी के लिए साझा संघर्ष की बात कही। ई-रिक्शा यूनियन के जिलाध्यक्ष साथी हरीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी यूनियन ने महिला दिवस के अवसर पर निर्णय लिया है कि रात आठ बजे के बाद यूनियन के किसी साथी को कोई भी अकेली तथा परेशान महिला मिलेगी तो उसके घर का पता कर उसे घर या पुलिस के संरक्षण में पहुंचाएगा।

सार-समाचार

गंगूपुरा में शीतला माता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, श्रद्धालुओं में उत्साह

पावटा। खेलना के ग्राम गंगूपुरा में रविवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में शीतला माता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नव निर्मित चबूतरे पर मूर्तियों की विधिवत स्थापना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाए गए। कार्यक्रम रविवार, 8 मार्च 2026 को दोपहर 12:15 बजे आयोजित हुआ, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पं. कपिलेश शास्त्री खेलना द्वारा मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता शीतला से सुख-समृद्धि की कामना की। बताया गया कि मंदिर परिसर में बने चबूतरे का निर्माण भालचंद जांगिड़ एवं रामचंद्र जांगिड़ के सहयोग से करवाया गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और भक्ति भाव के साथ आयोजन में सहभागिता निभाई। इस मौके पर पं. लालचंद शर्मा, रमेश सैन, केदार सैन, महेश जांगिड़, रामनिवास जांगिड़, बबलू जांगिड़, दिनेश जांगिड़, मनीष जांगिड़ और अरुण शर्मा सहित ग्राम गगूपुरा के अनेक ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित रहीं। धार्मिक अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा और ग्रामीणों ने माता शीतला के जयकारों के साथ आयोजन को सफल बनाया।

जमवारामगढ़ क्षेत्र में दो दिवसीय परियोजना का आयोजन रहेगा

मनोहरपूर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (2.0) अंतर्गत पंचायत समिति जमवारामगढ़ क्षेत्र में स्वीकृत परियोजना के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माण हेतु 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम में 09 एवं 10 मार्च को ग्राम पंचायत दताला मीणा आयोजित होगी। दिनांक 10 मार्च को ग्राम पंचायत ढंताला मीणा, पंचायत समिति जमवारामगढ़ में उद्घघाटन समारोह, परियोजना प्रस्तुतीकरण एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिससे अधिक से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाओं का लाभ मिल सके। निर्माण प्रक्रिया एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रेरणादायक रहेगी।एनिकट निर्माण कार्य,सब सरफेस बेरियर,मिनी परकोलेशन टैंक, परकोलेशन टैंक,सकने पोंड, रिचार्ज शाफ़्ट, अर्दन वैक, के अन्तर्गत टिन शेड निर्माण आज पीआए, फील्ड सर्व, संरचनाओं की जियो -टैगिग की जाएगी जिसमें किसानों की सहयोग अपेक्षा की जाएगी।मुख्य अतिथि जमवारामगढ़ विधायक महेंद्रपाल मीणा, जयपुर जिला कलेक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी, निदेशक एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव जलग्रहण विकास एवं भू- संरक्षण विभाग (आईएएस) मुहम्मद जुनैद , अतरिक्त मुख्य अभियंता पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशैड सैल दिनेश कुमार एवं जमवारामगढ़ के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता,जल ग्रहण विकास समिति के सचिव सहित जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण के उच्च अधिकारी मौजूद रहेंगे।

यूजीसी के काले नियमों के विरोध में सवर्ण समाज की बैठक आयोजित

पावटा। उपखंड पावटा मुख्यालय के सीताराम मंदिर में सवर्ण समाज की रविवार को यूजीसी के विरोध में बैठक आयोजित की गई, जिसमें पावटा में आयोजित 16 मार्च को यूजीसी के काले कानून के विरोध में गो बैक के लिए सवर्ण समाज पावटा द्वारा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में राजपूत महासभा पावटा से रतिपाल सिंह, सवाई सिंह, अग्रवाल महासभा पावटा वरिष्ठ दौलतराम अग्रवाल, अध्यक्ष बलदेव गोयल, महामंत्री पंकज जिंदल, कोषाध्यक्ष अमित पंसारी, उमाकांत बंसल, ब्राह्मण महासभा पावटा नगर उपाध्यक्ष गजानंद बोहरा, सचिव दीपक पटेल, संगठन मंत्री गिरिराज बोहरा, वरिष्ठ सुरेश शर्मा, एडवोकेट विष्णु पटेल, नरेंद्र गौड़, सुनील बोहरा, ओमप्रकाश शर्मा, योगेश शर्मा, विकास शर्मा, सांवरमल बोहरा, रामशरण बोहरा, लक्ष्मीकांत शर्मा, विशाल शर्मा सहित सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।सवर्ण समाज के लोगों ने रविवार को पावटामें आयोजित महाआक्रोश रैली मैं सम्मिलित होने के लिए सवर्ण समाज के लोगों से जनसंपर्क करने पर विचार किया। सवर्ण समाज के गणमान्य लोगों ने 16 मार्च सोमवार को यूजीसी एक्ट के खिलाफ पावटा रामलीला मैदान में होने वाली महाआक्रोश रैली मैं अधिक से अधिक संख्या में जाने का आश्वासन दिया।जहां एक सभा के आयोजन के साथ रैली के माध्यम से मुख्य बाजारों से होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड कार्यालय पावटा पहुंचकर उपखंड अधिकारी को यूजीसी के काले कानून के विरोध में गो बैक के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

तरुण बुटोलिया की निर्मम हत्या के मामले में लिखा पत्र

चौमूं / कालाडेरा । पूर्व विधायक और भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में हुई एक हृदयविदारक घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आग्रह किया है। पत्र के अनुसार, होली के पावन पर्व पर दिल्ली की जे.जे. कॉलोनी, उत्तम नगर में मात्र एक रंग का गुब्बाटा गिरने के मामूली विवाद में 26 वर्षीय युवक तरुण बूटोलिया की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। तरुण मूल रूप से राजस्थान के चौमूँ (जिला जयपुर) का निवासी था। तरुण को बचाने आए उसके पिता मामराज बुटोलिया और चाचा रमेश कुमार को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और घर में घुसकर तोड़फोड़ व मारपीट की। पूर्व विधायक शर्मा ने इस घटना को एक विशेष समुदाय की बढ़ती जिहादी मानसिकता और अपराधिक मनोवृत्ति का प्रमाण बताया है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित करने,घटना में शामिल सभी दोषियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ताकि उन्हें संबल मिल सके।

वसुंधरा राजे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

मनोहरपूर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई राजनीतिक हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।वसुंधरा राजे ने अपना जन्मदिन जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में पूजा-अर्चना करके मनाया।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे आदरणीय **श्री नारायण बारेठ** सुपुत्र स्व. श्री अमर सिंह पूर्व सूचना आयुक्त, राजस्थान एवं वरिष्ठ पत्रकार का आकस्मिक निधन शनिवार 07.03.2026 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक सोमवार 09.03.2026 को शाम 4 से 5 बजे तक अग्रवाल समाज, मालवीया नगर, श्री अग्रसेन मार्ग, सत्कार शॉपिंग सेन्टर के पास, मालवीय नगर, जयपुर पर होगी। **शोकाकुलः** प्रकाश देवी (पत्नी), भावना सिंह (पुत्री), देवांगिनी सिंह (नातिन), अनिरुद्ध सिंह आढा (दामाद), मंजु कंवर-सवाई सिंह (बहन-बहनोई), इंदर सिंह, गिरधर सिंह, बुध सिंह, महेश सिंह (भ्राता) एवं समस्त सामोर परिवार ठिकाना जोगलिया जिला चुरु संपर्कः 9829022383, 8962115899

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'जब महिला सशक्त होगी तभी परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होगा'

भरतपुर (निस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को बीडीए ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हनुमानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का वर्चुअल संबोधन भी प्रसारित किया गया।

संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षित महिला अपने परिवार के साथ-साथ समाज और देश के निर्माण में भी अतुलनीय योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के उत्थान के लिए शिक्षा और आर्थिक उन्नयन के पहलुओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है और जब महिला सशक्त होगी तभी परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होगा।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने कहा कि हमारी बेटियां हीरा हैं और यह बात बेटियों ने यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के हाल ही में घोषित परिणामों में अपनी प्रतिभा से साबित की है। जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि आज की नारी केवल घर तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, खेल, सेना और व्यापार सहित हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है। पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला प्रशासन द्वारा भरतपुर जिले में इस योजना के अधिकतम लाभ के लिए डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चलाया जाए।

- पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली ने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित हुआ।

राजे के जन्मदिवस पर सेवा कार्यो का आयोजन

कोटपूतली। राजस्थान सेवानिवृत कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा नेता व वसुंधरा राजे समर्थक मंच राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष पं. बृजमोहन शर्मा के नेतृत्व में वसुंधरा राजे समर्थक मंच युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस शर्मा द्वारा राजे का 73 वाँ जन्मदिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न सेवा कार्यो का आयोजन किया गया। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की गई।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के कार्यकाल में युवाओं, किसानो, समेत प्रत्येक वर्ग के लिये उन्नित और प्रगति प्रदान की गई। संविदाकर्मियों को स्थाई किया गया, बेरोजगार को रोजगार दिया गया।

इस दौरान युवाओं ने बालाजी व शिव मंदिर में साफ-सफाई कर भगवान की पूजा अर्चना भी की।

चुनाव सूचना

अग्रवाल समाज सेवा समिति, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर के द्विवार्षिक चुनाव (2026-28) दिनांक 29.03.2026 रविवार को किया जाना निश्चित हुआ है। नामांकन करने की अंतिम तिथि 15.03.2026 (सायं 5.00 बजे तक) है। समिति द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची एवं विस्तृत चुनाव कार्यक्रम कार्यालय पर उपलब्ध है।

गिरिराज प्रसाद गुप्ता, चुनाव अधिकारी

NAME CHANGE

i army no 3003567K Ex NK Gajendra Singh gurjar resident of village post paota tehsil mahwa district dausa jaipur that I want to change my spouse name from NEERAJA SINGH To NEERAJA KUMARI vide affidavit dated 5/3/26 before sub majistrate mahuwa dausa

कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन
नगर निगम जयपुर
(चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
Email ID: dchmw.jmc@gmail.com Phone No. 0141-2329953
क्रमांक :- F51 () Dept.Comm./H.M.A.Z./2026/2244 दिनांक : 6.3.2026
-: सार्वजनिक सूचना :-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती ललीता देवी अग्रवाल पत्नी श्री मोहन लाल अग्रवाल निवासी 136, हरि मार्ग मालवीय नगर जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या-25-सी, गोविन्दपुरी इस्ट रामगढ मोड जयपुर जिसका क्षेत्रफल 167.28 वर्ग मीटर है का पट्टा चाहने हेतु आवेदन किया गया है। जिसमें आवेदक द्वारा आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, सोसायटी का आवंटन पत्र, नक्शें की प्रति, सोसायटी रसीद एवं अन्य स्वामित्व संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए है। अतः उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति / सरकारी / गैर सरकारी संस्था या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करें। मियाद गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन नगर निगम जयपुर

संक्षिप्त

11 मार्च को डिगो में सजेगा ब्याई माता का विशाल मेला

लालसोट। ग्राम डिगो में 11 मार्च को ब्याई माता का विशाल मेला धूमधाम और धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित होगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेला समिति व ग्राम पंचायत द्वारा मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मेले में क्षेत्र सहित आसपास के कई गांवों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।मेले के दौरान मां जगदम्बा की आकर्षक झांकी, रात्रि में भक्ति सत्संग व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहेंगे। वहीं मेले का मुख्य आकर्षण पहलवानों का कुश्ती दंगल रहेगा, जिसमें क्षेत्र के नामी पहलवान अपना दमखम दिखाएंगे। दंगल की अंतिम कुश्ती के लिए 2100 रुपए का पुरस्कार रखा गया है।

फागोत्सव मनाया

मनोहरपुर । कस्बे के गांधी चौक स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल महिला मंडल द्वारा तृतीय फागोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास से मनाया गया। इसकी जानकारी पवन मित्तल ने दी हैं।कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडल की सदस्यों ने महाराज अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ की।इसके बाद महिलाओं ने गुलाल और फूलों से होली खेलकर फागोत्सव का आनंद लिया तथा रंगोली सजाकर धर्मशाला को सजाया।फागोत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों और भजनों का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में रंग-बिरंगे गुलाल और फूलों की होली खेली गई। मंडल की सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता और सौहार्द का प्रतीक हैं तथा भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

'रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं'

नरैना। कस्बे की जैन धर्मशाला में महिला दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान कर मानवता के प्रति अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया। युवा समाज सेवी गौरव दाधीच ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। युवाओं व मातृशक्ति को अधिक से अधिक संख्या में समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। इस दौरान विहिप सांभर जिलाध्यक्ष डॉ. पुखराज स्वामी, नरैना विकास मंडल के सत्यनारायण शर्मा, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गोपाल जाट, नौरतमल कुमावत,इन्द्रराज शर्मा, अजय सैनी, लादूराम साहू सहित अनेक लोगों ने रक्तदान शिविर में आकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने रक्तदान शिविर के लिए नि:शुल्क भवन उपलब्ध कराने के लिए जैन समाज नरैना का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान 33 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

अधिकारों व कानून की जानकारी

निवाई। सिकोईडिकोन संस्था के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ग्राम पंचायत महाराजपुरा, आलियाबाद, पलई व जुगलपुरा में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों व कानून की जानकारी दी। सिकोईडीकोन संस्था के समन्वयक प्रभारी अर्जुनदेव ने बालिका हितैषी ग्राम पंचायत विकसित करने पर चर्चा की। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र से काउंसलर डॉ. सुनीता शर्मा ने बताया कि महिलाओं के सम्मान के अधिकारों की पलब्धियों को मनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। महिला सुरक्षा केंद्र से एडवोकेट नीतूसिंह विजय ने घरेलू हिंसा, लेगिंग उत्पीडऩ एवं कार्य स्थल पर होने वाले यौन शोषण पर चर्चा करते हुए महिलाओं को सरकार से मिलने वाली सहायता के बारे में बताया।

महिलाओं को किया जागरूक

निवाई। गांव मूंडिया में मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना के तहत भामाशाह बहादुरसिंह राजावत की अध्यक्षता में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जर्मन से आए दल के सदस्यों ने मातृत्व पोषण की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के लिए मां का दूध अत्यंत लाभकारी औषधि है। गर्भवती होने से लेकर प्रसव तक महिलाओं को समय समय पर स्वास्थ्य की जांच व टीकाकरण करवाना चाहिए। जिससे जच्चा बच्चा स्वस्थ रहते है।

महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं और उनकी ऊर्जा से ही राष्ट्र मजबूत होता है : संजय शर्मा

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुरजन विहार (कंपनी बाग) से आयोजित " " महिला मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां एवं विभिन्न आयु वर्ग की प्रतिभागी शामिल हुईं।

इस अवसर पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी माताओं, बहनों और बेटियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भारत देश को विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि मैराथन महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस, सशक्तिकरण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में कारगर साबित होगी।

मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं और उनकी ऊर्जा से ही राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होनें कहा कि मैराथन जैसी पहलें ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं, बल्कि सामाजिक समानता एवं महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को भी प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

अलवर गौरी देवी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मंत्री संजय शर्मा।

इसके अलावा मंत्री संजय शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय खेल प्राधिकरण एवं माय भारत केंद्र के समन्वय से गौरी देवी महाविद्यालय में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग व सम्मान समारोह का शुभारम्भ कर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

> ■ गौरी देवी महाविद्यालय में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग व सम्मान समारोह का शुभारम्भ किया गया

नेहरू युवा केंद्र कोऑर्डिनेटर पंकज यादव ने बताया कि अस्मिता लीग में 400 मीटर प्रतियोगिता में रूपा स्वामी ने प्रथम, पिंकी ने द्वितीय एवं रोहिणी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर प्रतियोगिता में सिमरन ने प्रथम, पिंकी गुर्जर ने द्वितीय एवं चिड़िया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर प्रतियोगिता में पलक खंडेलवाल ने प्रथम, दिलशाना ने द्वितीय एवं इंसाना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार रस्साकशी प्रतियोगिता में जीडी कॉलेज ने प्रथम एवं नर्सिंग कॉलेज अलवर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा रंगोली प्रतियोगिता में गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज अलवर ने प्रथम एवं द्वितीय व नर्सिंग कॉलेज तिजारा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 1200 से अधिक युवतियों द्वारा माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण किया गया था। लीग में आयु वर्ग अंडर 13, अंडर 18 एवं अंडर 25 में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसमें जिले की बालिकाओं द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

भगवान गिरधर गोपाल को फागोत्सव के भजनों से रिझाया

सांभरझील। यहां देवयानी सरोवर स्थित प्राचीन गिरधर गोपाल मंदिर में पुजारी रामकृष्ण शुक्ला व सर्वेश शुक्ला के सानिध्य में भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। भगवान गिरधर गोपाल को फूलों की झांकी से सजाया व आकर्षक श्रृंगार कर मंदिर की सजावट की गई। गायक कलाकार श्याम पारीक व संगीतज्ञ जितेंद्र पारीक के आपसी सुरों के तालमेल के बीच भक्ति व प्रेम रस पर आधारित जब भजनों का प्रस्तुतीकरण हुआ तो शनै शनै भक्ति रस में श्रद्धालु डूबते चले गए। रंग मत डाले रे सांवरिया, आज बिरज में होली रे रसिया, बाबा के दरबार में सजी रै, सबकी नैया पार लगावे गिरधर गोपाल जैसे अनेक भजनों पर महिला श्रद्धालुओं ने आत्म भाव से समर्पित होकर जब अपना नृत्य पेश किया तो सभी मौजूद श्रद्धालुओ ने साक्षात परमात्मा की अनुभूति की।

रेलवे एससी कर्मचारियों का भव्य स्नेह मिलन समारोह में एकता व शिक्षा पर दिया जोर

फुलेरा। रेलवे अनुसूचित जाति रेल कर्मचारी संगठन फुलेरा की ओर से रविवार को कस्बे के नरेना रोड स्थित एक निजी गार्डन परिसर में तृतीय स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ऑल इंडिया एस.सी./एस.टी. रेलवे एम्प्लॉइज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एल. बैरवा के मुख्य आतिथ्य तथा दी रेलवे कोऑपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक नीलू गोठवाल, आकोदा प्रशासक सरपंच पुष्पा मेघवाल, रामसिंह, घासीराम नरेडिया, रामबाबू गौतम तथा देवकरण नवल मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा महात्मा बुद्ध और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद आयोजन समिति की ओर से सभी

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथिगण व अन्य।

अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि बी.एल. बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के अधिकारों की रक्षा और विकास के लिए संगठन की शक्ति सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब समाज शिक्षित और संगठित होगा तभी वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि पुष्पा मेघवाल ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। वहीं रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक नीलू गोठवाल ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में महिलाओं को समाज के उत्थान के लिए आगे बढ़ना चाहिए तथा पुरुषों को भी उनका सहयोग करना चाहिए, जिससे महिलाओं की राह और अधिक आसान हो सके। समारोह के दौरान समाज, रेलवे, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज बंधुओं को सम्मानित किया।

> ■ महिला दिवस पर नारी शक्ति सहित प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है : रत्ना कुमारी

पावटा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा नेत्री एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रत्ना कुमारी ने इंदिरा कुष्ठ आश्रम पहुंचकर वहां निवास कर रही असहाय एवं जरूरतमंद महिलाओं के साथ महिला दिवस मनाया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर रत्ना कुमारी ने कहा कि महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, सम्मान और संस्कार का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है और आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। रत्ना कुमारी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी ने कुष्ठ आश्रम में महिलाओं के साथ मनाया महिला दिवस

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई ऐतिहासिक योजनाएं संचालित कर रही है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की नई दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को समाज में समान अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने परिवार और देश के विकास में सशक्त भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर आश्रम में मौजूद महिलाओं के साथ समय बिताकर उन्हें महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद, सुरक्षित एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की।

रत्ना कुमारी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण का संकल्प दोहराने का दिन है। जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। सरकार की विभिन्न योजनाओं से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कृपाल नगर में दो दिवसीय मेले को लेकर हुई बैठक

किशनगढ़ बास। खैरथल-किशनगढ़ बास रोड़ पर स्थित बांस कृपाल नगर के प्राचीन श्री श्याम प्रभु खाटू वाले मंदिर पर दो दिवसीय वार्षिक मेला 29 व 30 मार्च को को भरेगा, यह 52 वा विशाल मेला होगा। यह मेला रींगस खाटू घाम के बाद में भरने वाला दुसरा लख्खी मेला होता है जहां मुम्बई कोलकाता दिल्ली जयपुर जैसे विभिन्न महानगरों सहित शहरों एवं गांवों कस्बों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त बाबा श्याम के मेले में हर वर्ष दर्शनों के लिए आते हैं। इन सभी तैयारियों को लेकर श्री श्याम बाबा विकास समिति की बैठक अध्यक्ष बाबा गोरघन दास जांगिड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सभी सदस्यों एवं नवयुवक समिति को मैले की जिम्मेदारियां सौंपी गई, मेले में अखंड ज्योति, आलोकिकश्रृंगार, शौभायात्रा, छप्पन भोग, भंडारा व कीर्तन का आयोजन हर वर्ष बड़े स्तर किया जाता है। इस बार मेला कार्यक्रम में अतिथि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, विधायक दीपचंद खैरिया, पूर्व विधायक रामहेत यादव होंगे।

मंदिर समिति अध्यक्ष बाबा गोरघन दास जांगिड़ ने बताया कि 29 मार्च रविवार को श्री श्याम मंदिर परिसर में प्रात: 5:00 बजे प्रभात फेरी, 8:15 बजे हवन 11:15 बजे भंडारा 6:00 बजे शोभा यात्रा श्याम मंदिर से शुरू होकर किशनगढ़बास के मुख्य मार्गो व गंज से होकर निकलेगी। भजन गायक कलाकार विष्णु बृजवासी ब्रजधाम, सुरजीत सिंह राजगढ़, तनु फौजदार भरतपुर , विकी वशिष्ठ मुंडावर, धर्मवीर बृजवासी ब्रजधाम, सुनील जांगिड़ बांस कृपालनगर, राजकुमार दादवानी मंच संचालक, अनिल हरवानी किशनगढ़ बास बाबा का गुणगान करेंगे। मेले के दूसरे दिन 30 मार्च सोमवार को 11:00 बजे से सायं 3:30 बजे तक भंडारे का आयोजन होगा।

श्री श्याम बाबा विकास समिति के तत्वाधान में नीले घोड़े के निशान के साथ पदयात्रा 9 मार्च को निकलेगी श्याम भक्त दयानंद यादव ने बताया कि राम विकास समिति के अध्यक्ष गोवर्धन दास जांगिड़ के तत्वाधान में 9 मार्च को श्याम मंदिर से खाटू श्याम के लिए नीले घोड़े निशांन के साथ के 2 मार्च को प्रात: 9:00 बजे पदयात्रा चांदी के रथ के साथ श्याम मंदिर परिसर से रवाना होगी ।

'महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है'

कोटपूतली । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन रविवार को पंचायत समिति कोटपूतली के सभागार में जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। जिला कलेक्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस व प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है और किसी भी प्रकार की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परचम लहरा रही हैं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करे और उनके योगदान का सम्मान करे। सांस्कृतिक प्रदर्शन के माध्यम से महिलाओं के विभिन्न रोल्स को दिखाया गया, जिसका आमजन ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। मंच का संचालन जिला नोडल चिकित्सा अधिकारी रविकांत जांगिड द्वारा किया गया।

रविकांत जांगिड़ जिला नोडल अधिकारी ने कन्या भ्रूण हत्या, लिंग जांच एवं मुखबिर योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा विभाग द्वारा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी एवं मंच संचालन किया गया । महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक जुगल किशोर निठारवाल ने बताया कि कार्यक्रम के इस अवसर पर पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम साथिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा सहयोगिनी को 11 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 12 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को माता यशोदा पुरस्कार के तहत क्रमश: 5100 व 2100 रुपये व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

सहयोगिनी को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कक्षा 10 की 10 तथा कक्षा 12 के तीनों संकायों की 3-3 अर्थात कुल 19 बालिकाओं को 5000 रुपये, मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली उपस्थित एक बालिका को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता , भाषण व गुड टच बैड टच विषय पर प्रस्तुति दी तथा उपस्थित महिलाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली बालिकाओं को भी मोमेंटो देकर उत्साहवर्धन किया गया। सहायक निदेशक के द्वारा विभागीय योजनाओं यथा लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना आदि की जानकारी दी गई तथा बालिकाओं व महिलाओं का उत्साहवर्धन किया साथ ही महिला सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा व महिला सुरक्षा से जुड़े अन्य कानूनो की जानकारी दी गई।

> ■ जिला स्तरीय महिला दिवस समारोह पंचायत समिति सभागार में हुआ आयोजन

सैनी अधिकारी कर्मचारी संगठन के बनवारी लाल सैनी बने जिलाध्यक्ष

चौरु/उनियारा। सैनी अधिकारी कर्मचारी संगठन के बनवारी लाल सैनी बने जिलाध्यक्ष ,सैनी अधिकारी कर्मचारी संगठन जिला टोंक के 3 वर्षो के लिये होने वाले जिलाध्यक्ष पद के लिए बनवारी लाल सैनी (अध्यापक) निवासी बालीथल(उनियारा) को सर्व सम्मति से चुना गया है।चुनाव अधिकारी शंकर लाल सैनी ने बताया कि लगभग 450 की सदस्य संख्या वाले सैनी अधिकारी कर्मचारी संगठन के लिए 5 मार्च अंतिम दिनांक तक जिलाध्यक्ष पद के लिए 5 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमे उनियारा से बनवारी लाल सैनी,टोंक से रत्तीराम सैनी,रामदयाल सैनी,मालपुरा से रामकिशन सैनी एव निवाई से प्रेम प्रभु गंगाडा थे।अंतिम दिनांक तक रामकिशन सैनी मालपुरा एवं प्रेम प्रभु गंगाडा में अपना नाम वापस ले लिया।शेष रहे टोंक के दोनों उम्मीदवारों ने रामदयाल एवम रत्तीराम ने भी बनवारी लाल जी सैनी निवासी बालीथल(उनियारा)को अपना समर्थन देकर अपना नाम वापस ले लिया। इस प्रकार निर्वाचन समिति ने सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष पद पर बनवारी लाल सैनी की घोषणा की। जानकारी अनुसार आगामी दिनों में जिला स्तर पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

सार-समाचार

महिला दिवस पर साक्षी का किया सम्मान

टोंक। दि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया जिला ब्रांच द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चेयरमैन सीए दीपक गौतम ने नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूपीएससी परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक (37) प्राप्त करने वाली साक्षी जैन को सम्मानित किया गया। इस दौरान साक्षी जैन ने नव-योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं छात्रों को सिविल सेवा की तैयारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वह वर्ष 2018 में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनी थी। इस अवसर पर जिले की महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सीए मृदुला मालपानी, सीए अंशु जैन, सीए रूपल मित्तल, सीए खुशबू जैन, सीए आयुषी जैन, सीए अदिति बंप, सीए आयशा खान एवं सीए ऋतु उपस्थित रहीं। इस दौरान अध्यक्ष सीए दीपक गौतम ने महिला सीए सदस्यों एवं नव-योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बधाई दी तथा साक्षी जैन का भव्य स्वागत किया।

फागोत्सव में राधा-कृष्ण संग खेली फूलों की होली

शाहपुरा । शहर के त्रिवेणी रोड़ स्थित श्री भगवान माथुर कॉलोनी में खोरी परमानंद धाम के संत हरिओम दास जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धा, भक्ति व उत्साह के साथ फागोत्सव का आयोजन हुआ।जिसमें महिला श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण के संग गलाल व फूलों की होली खेली और जमकर नृत्य किया।श्रीकांत माथुर ने बताया फागोत्सव में लड्डू गोपाल का भव्य श्रृंगार करके राधा-कृष्ण की सजीव झांकी सजाई गई। फागोत्सव का शुभारम्भ त्रिवेणी धाम सत्संग मंडल के भजन गायक दिनेश खंडेलवाल द्वारा गणेश वंदना के साथ किया। इस दौरान राधा कृष्ण की जीवंत झांकी के बीच लोगों द्वारा फूलों व रंगों की होली खेली गई। महिलाओं ने राधा -कृष्ण की सजीव झांकी के बीच समूह बनाकर नृत्य किया। फाल्गुनी धुनों ने वातावरण को आध्यात्मिक आनंद से भर दिया। समापन पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक श्रीकांत माथुर ने सपत्निक ठाकूर जी की आरती उतारी उसके बाद पंगत प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान राजू माथुर, मुकेश यादव, महावीर प्रसाद शर्मा, श्याम सुंदर राज जोशी, बनवारी लाल सैनी, मुरारी लाल अग्रवाल, राम सिंह जाट, बाबूलाल, कालूराम ढबास सहित कई महिला व पुरुष श्रृद्धालु मौजूद रहे।

गौतम आश्रम में उड़ी फूलों की गुलाल

निवाई। मां गौतमी महिला मंडल के तत्वावधान में श्री महर्षि गौतम आश्रम में रविवार को विश्व महिला दिवस पर फागोत्सव का आयोजन किया गया। फागोत्सव का शुभारंभ भगवान गौतम जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद भजन गायिका पुष्पा शर्मा ने गणपति वंदना से किया गया। इसके बाद भूरी देवी, निर्मला शर्मा, पिंकी शर्मा व आशा शर्मा सहित मंडल की कई महिलाओं ने बादली बरस क्यों ना रे, उड़े रे गुलाल गौतम जी थांका मंदिर में, ओढऩी हो गई लाल श्याम तेरी होली में, रंग मत डाले रे सांवरिया म्हारो गूर्जर मारे रे. आज ब्रज में होली रे रसिया, राधा हमारी गौरी-गौरी है, नवल किशोरी है, कान्हा बरसाने में आज्यो, बुला गई राधा प्यारी, श्याम के बिना तुम आधे, तुम्हारे बिना श्याम आधे, राधे राधे, होली आई, होली आई, होली आई, मस्ती छाई मस्ती छाई सहित कई भजन प्रस्तुत किए। जिन श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर रचना शर्मा, संजू गौतम, मंजू शर्मा, नीलू शर्मा, मधुबाला गौतम, राजकुमारी शर्मा, सुशीला शर्मा, उर्मिला शर्मा, सीमा शर्मा श्यामा शर्मा व निर्मला शर्मा सहित कई महिलाएं उपस्थित थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवती की मौत, चचेरा भाई गंभीर घायल

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवती की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह करीब 10 बजे मांजूकोट से भूरीभडाज की ओर जाने वाले एमडीआर रोड पर हुआ, जहां किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर प्रागपुरा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल राजकीय उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया गया। उपजिला अस्पताल पावटा में चिकित्सकों ने जांच के बाद द्वारिकापुरा निवासी ज्योति वर्मा (21) पुत्री राकेश बलाई को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसके चचेरे भाई राजेश (18) पुत्र तेजपाल बलाई की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए परिजनों के साथ एसएमएस अस्पताल जयपुर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्योति और राजेश आपस में चचेरे भाई-बहन थे। ज्योति पावटा कस्बे के पास इंडेन गैस एजेंसी के समीप अपने चाचा तेजपाल बलाई के घर आई हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार को परीक्षा देने के बाद रविवार सुबह दोनों एमडीआर सड़क से घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अचानक हुई इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है और परिजन कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं थे। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस व एएसआई धर्मेंद्र की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है। वही डॉ. रवि बंसल, पीएमओ, उपजिला अस्पताल पावटा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल दोनों युवाओं को अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि युवक की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जयपुर रेफर किया गया।

महिलाओं का किया सम्मान

भरतपुर । भरतपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सर्वसमाज की ओर से वरिष्ठ समाजसेवी एवं ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा की नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 6 विशिष्ठ महिलाओं का एक सादा समारोह में स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रतिज्ञा दुबे का सीए बनने पर रेणु शर्मा का स्कूल प्रिंसिपल बनने पर रिद्धिमा शर्मा का गेट में चयन होने पर एवं महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बबिता शर्मा, कंप्यूटर अनुदेशक प्रमिला शर्मा, कुशल समाजसेवी मंजू दुबे का पटका पहना कर साफा पहनाकर एवं आराध्यदेव बिहारी का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर समाजसेवी मनोज दुबे का साफा पटका पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, सर्वशक्ति मित्र मंडल फाउंडेशन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा जती विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष एवं गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी डॉ सुशील पाराशर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज भारद्वाज, सर्वशक्ति मित्र मंडल फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष नेमीचंद मुद्गल, समता आन्दोलन जिलाध्यक्ष केदार नाथ पाराशर, सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक कमल किशोर शर्मा,समता आन्दोलन सहसचिव अशोक कुमार सारस, अन्नपूर्णा रसोई संचालक विष्णुदत्त शर्मा, समाजसेवी पंडित वनबारी लाल शर्मा , लाल चंद शर्मा एल आई सी वाले ,रामेश्वर अमीन, सेवानिवृत्त सहायक अभियन्ता देवकीनन्दन शर्मा, रिटायर्ड कॉलेज प्राचार्य प्रो. आर एन शर्मा एवं रिटायर्ड प्रो. बी डी शर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी बिजली विभाग के पीयूष दुबे, देवांश शर्मा आदि अनेक गणमान्य लोगों ने सम्मान किया।

रंगपंचमी पर कोली समाज का मेला सम्पन्न

टोंक। रंगपंचमी के अवसर पर कोली समाज का पारम्परिक मेला रविवार को महादेववाली स्थित प्राचीन शिवालय परिसर में उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। मेले में जिले सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों के साथ-साथ मध्यप्रदेश और देश के अन्य हिस्सों से हजारों समाजबंधु पहुंचे। मेले की शुरुआत भगवान भोलेनाथ को समर्पित प्राचीन शिवालय में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जहां समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के संबंधों को लेकर परिवारों के बीच चर्चा और परिचय का दौर भी चला।

हम पहले बल्लेबाजी करने पर खुश हैं। हम बल्लेबाजी ही करना चाह रहे थे। पिछले मैच में भी हमने यही किया और अच्छा प्रदर्शन किया। जब भी आप सेमीफाइनल या फाइनल खेलते हैं तो स्कोर बोर्ड पर रन होना है हमेशा अच्छा रहता है। - सूर्य कुमार यादव

भारतीय कप्तान, टीम की परफॉर्मेंस को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्रेट रैंडेल

ब्रेट रैंडेल ने पांच गेंदों में पांच विकेट लिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए। न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहस रच दिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मार्च 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में, भारत टी-20 में 50 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बनी।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने न्यूज़ीलैंड को हराकर ध्वस्त किया 19 साल का तिलिस्म

अहमदाबाद, 8 मार्च। भारत ने न्यूजीलैंड को टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में हराकर चैंपियन बन गई है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतने न्यूजीलैंड को 96 रनों से करारी शिकस्त दी है। वहीं भारत के लिए संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और आखिरी में

शिवम दुबे ने बेहतरीन पारी खेली। वहीं भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और 19 ओवर में सभी विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4, अक्षर पटेल ने तीन विकेट लिए। भारत ने लगातार दूसरी बार टी0 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। वहीं टीम इंडिया तीन बार टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाली टीम बन गई है। भारत के लिए संजू सैमसन ने 46 गेंद पर 89 रन बनाए। वहीं अभिषेक शर्मा ने 21 गेंद पर 52 रन बनाए। इशान किशन ने 25 गेंद में 54 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल पाए। तिलक वर्मा 8 और शिवम दुबे 8 गेंद पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं न्यूजीलैंड के लिए टिम सीफर्ट ने 26 गेंद पर 52 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 35 गेंद पर 43 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 17 रन बनाए। फिन एल ने 9, जिमी निशाम में 8, लॉक फर्ग्यूसन ने नाबाद 6, ग्लेन फिलिप्स ने 5, मार्क चैपमैन और जैकब डफी ने 3-3 रन बनाए। वहीं रचिन रविंद्र 1 और मैट हेनरी बिना खाता खोले आउट हुए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या, वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा ने -1 विकेट अपने नाम किया।

अभिषेक ने रचा इतिहास, फाइनल में ये तीन रिकॉर्ड ध्वस्त कर जड़ दी सबसे तेज फिफ्टी

अहमदाबाद, 8 मार्च। टीम इंडिया के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में रिकॉर्ड्स की जड़ी लगा दी है। जहां पूरे टूर्नामेंट में उनका बल्ला फ्लॉप रहा वहां फाइनल में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। अभिषेक ने महज 21 गेंदों में 52 रन की तूफानी पारी खेली और कई सारे कीर्तिमान बना डाले। इस मैच में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया था। इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। यहां जान लीजिए फाइनल मैच में अभिषेक ने कौन से 3 रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। अभिषेक 21 गेंद में 52 रन बनाकर आउट हुए।अभिषेक शर्मा ने तोड़े 3 बड़े रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा ने 18 गेंद में अपनी अर्धशतक पूरा किया। वो टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लासेन ने 2024 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ 23 गेंद में फिफ्टी लगाई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस फाइनल मैच में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने मिलकर पावरप्ले में ही 92 रन बना दिए। ये टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर है। पहले 6 ओवरों में ही अभिषेक अपना पचासा पूरा कर चुके थे। इससे पहले वेस्टइंडीज भी वर्ल्ड कप मैच के पावरप्ले में 92 रन बना चुकी है लेकिन उसने एक विकेट खोकर ये मुकाम हासिल किया था, जबकि टीम इंडिया ने बिना विकेट गंवाए ऐसा किया है। इसके अलावा अभिषेक ने 18 गेंद में फिफ्टी पूरी कि जो टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। वर्ल्ड कप में सबसे तेज पचासा जड़ने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 12 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। केएल राहुल वर्ल्ड कप में 18 गेंद में फिफ्टी जड़ चुके हैं। अभिषेक ने उनकी बराबरी क ली है।

टी-20 वर्ल्डकप की क्लोजिंग सेरेमनी

रिकी मार्टिन की 28 साल बाद इंडिया में परफॉर्मेंस

अहमदाबाद, 8 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप की क्लोजिंग सेरेमनी नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शानदार अंदाज में हुई। इस दौरान मशहूर पॉप स्टार रिकी मार्टिन ने करीब 28 साल बाद भारत में परफॉर्म किया। उन्होंने इससे पहले 1998 में दिल्ली में परफॉर्म किया था। उनके हिट गाने द कप ऑफ लाइफ के आले-आले पर पूरा स्टेडियम झूम उठा। क्लोजिंग सेरेमनी में भारतीय कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुति दी। सिंगर सुखबीर सिंह और फाल्गुनी पाठक के गानों पर स्टेडियम में मौजूद फैंस जमकर नाचते नजर आए। संगीत, रोशनी और आतिशबाजी के साथ कार्यक्रम ने फाइनल मैच से पहले माहौल को और भी शानदार बना दिया। मार्टिन के आले-आले पर झूमे फैंस आले-आले मार्टिन के फेमस गाने द कप ऑफ लाइफ की प्रसिद्ध लाइन है। यह गाना 1998 में रिलीज हुआ था और 1998 वर्ल्ड कप का आधिकारिक गीत था। गाने की यह लाइन खेलों के दौरान उत्साह और जश्न का प्रतीक बन गई है। दुनिया भर में फुटबॉल और अन्य बड़े खेल आयोजनों में फैंस अक्सर आले, आले, आले गाकर अपनी टीम का हौसला बढ़ाते हैं।

संजू सैमसन ने फाइनल में कर दिखाया कमाल कोहली-अफरीदी के क्लब में की एंट्री

अहमदाबाद, 8 मार्च। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन फिफ्टी पारी खेली। संजू ने अहमदाबाद में 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टी20 वर्ल्डक के एक सीजन में सेमीफाइनल और फाइनल में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ये कारनामा कर चुके हैं।

विधानसभा कर्मचारी एकादश को हरा आईएएस एकादश पहुंची फाइनल में

जयपुर, 8 मार्च। आइएएस एकादश ने तीन दिवसीय मैत्री क्रिकेट मैचों में रविवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी में देर शाम को विधानसभा कर्मचारी एकादश को सात विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका मुकाबला सोमवार शाम 5.30 बजे विधायक एकादश से होगा। विधानसभा कर्मचारी एकादश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 111 रन बनाए। नवीन ने नाबाद सर्वाधिक 24 रनों का योगदान दिया। दीपक और सोमेन्द्र ने 20-20 रन बनाए, जबकि अपूर्व ने 13 रनों का योगदान दिया। जवाब में आईएएस एकादश ने राधेश्याम डेलू के 56 रनों की मदद से तीन विकेट खोकर विजयलक्ष्य प्राप्त कर लिया। उपमन्यू ने 15 रनों पर अविजित लौटे। इस दोरान टेस्ट क्रिकेटर हरभजन सिंह भी क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर आए और थोड़ी देर मैच भी देखा और खिलाड़ियों से भी मिले। मैन ऑफ़ द मैच आईएएस एकादश के राधेश्याम डेलू रहे। उन्हें संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक रफीक ख़ान एवं रतन देवासी ने ट्रॉफी प्रदान की।सभी मंत्रीगण, विधायकगण, उपस्थित खिलाड़ी एवं सपोर्ट स्टाफ टी-20 वर्ल्ड कप मैच का भी बड़ी स्क्रीन पर आनंद लिया।

जापान ने दागे 11 गोल, भारतीय महिला फुटबॉल टीम को मिली अब तक की सबसे शर्मनाक हार

नई दिल्ली, 8 मार्च। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है।

2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45 5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे। इस करारी हार के बाद भारत ग्रुप सी में शून्य अंक और माइनस-12 गोल अंतर के साथ तालिका में सबसे नीचे है। यह नतीजा भारत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म नहीं करता। भारतीय टीम मंगलवार को अगर अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को दो गोल के अंतर से हरा देती है और कुछ अन्य परिणाम उसके मुताबिक रहे तो वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच सकती है।

राजस्थान यूथ बनी चैम्पियन, सुराना एकेडमी उपविजेता, शुभम पटवाल का नाबाद

के.एल. सैनी 'ए' डिवीजन लीग

जयपुर, 8 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज खेले गए अंतिम लीग मैच में राजस्थान यूथ ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता में लगातार 7 जीत दर्ज चैंपियनशिप जीती। पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदर्श शर्मा के 61 रन, विनीत सक्सेना के 67 रन व रवि शर्मा के 28 रनो से 35.5 ओवर में 217 रन बनाए। राजस्थान यूथ के लिए शुभम खंडेलवाल ने 41 पर 3, रोहन सिंह ने 34 पर 2, गौरव पुनिया ने 47 पर 2 व हिमांशु राणा ने 27 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने। शुभम पटवाल के नाबाद शतक 128 रन (64 गेंद 12 चौके व 9 छक्के), जयंत ताम्बी के 40 रन, भावित कुमावत के 20 रन व कुमार वासुदेव के 28 रन नाबाद से 28.1 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाकर मैच जीत लिया। पी एंड टी क्रिकेट क्लब के लिए रवि शर्मा ने 2 व चंद्रपाल सिंह ने एक विकेट लिया।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, पूर्व रणजी कप्तान राहुल कांवट, पूर्व आर सी ए उपाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल, जे डी सी ए तदर्थ समिति के कन्वीनर सुरेश शर्मा , सदस्य आनंद सिंह राठौड़, राजेश ताम्बी , माधव मित्र , महेश सैनी, मेघराज यादव, रोहित झालानी, प्रतियोगिता के कन्वीनर ओम शर्मा ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर सुरेंद्र राठौड़, श्रीवास मंडल, रणजीत सैनी, तपेश कौशिक सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज भावित कुमावत (राजस्थान यूथ), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अभिजय भंडारी (चंबल स्पोर्ट्स), मैन ऑफ दि सीरीज आदित्य टांक (यूनियन क्रिकेट क्लब) तथा उदयमान खिलाड़ी राजस्थान यूथ के गौरव पुनिया (13 वर्ष) रहे।

लक्ष्य सेन का कमाल, रोमांचक सेमीफाइनल में विक्टर लाई को हराकर फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली, 8 मार्च। इंग्लैंड में खेले जा रहे प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने कनाडा के विक्टर लाई को कड़े मुकाबले में हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने यह मुकाबला 21-16, 18-21, 21-15 से अपने नाम किया है। यह मैच लगभग एक घंटा 37 मिनट तक चला और इसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और थकाऊ रैलियां देखने को मिली हैं। बता दें कि लक्ष्य सेन इससे पहले वर्ष 2022 में भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच चुके हैं।

गौरतलब है कि इस उपलब्धि के साथ लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण के नाम दर्ज है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे और 1980 में उन्होंने खिताब भी जीता था। शनिवार को खेला गया सेमीफाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच कई बार बेहद लंबी रैलियां हुईं, जिनमें कुछ रैलियां 50 से ज्यादा शॉट तक चली हैं। ऐसे में मुकाबला केवल कौशल ही नहीं बल्कि धैर्य और फिटनेस की भी कड़ी परीक्षा बन गया है। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही है। स्कोर एक समय 17-16 पर पहुंच गया था और लक्ष्य सेन केवल एक अंक से आगे चल रहे थे।

टीम जयपुर ने जीता एसएमएस गोल्ड वास कप टूर्नामेंट

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर, 8 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मैच का आयोजन हुआ। इस मुकाबले में टीम जयपुर ने कृष्णा पोलो को 6-5.5 के स्कोर से शिकस्त देकर विजय हासिल की। टीम जयपुर से हर्षोदय सिंह ने टूर्नामेंट के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब जीता। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 गोल दागे। वहीं, योगेंद्र सिंह ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में हर्षोदय सिंह और दिव्यमान सिंह दूजोद भी शामिल रहे। दूसरी ओर, टीम कृष्णा पोलो से विशाल सिंह राठौड़ ने 3 गोल हासिल किए। टीम के लिए सिद्धांत सिंह और अश्विनी शर्मा ने 1-1 गोल किया। यशोवर्धन सिंह गुलर भी टीम से खेले। यहां टीम कृष्णा पोलो को आधे गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ। सोमवार, 9 मार्च से श्रीसीमेंट कप की शुरूआत होगी। इस कप का फाइनल रविवार, 15 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे धोनी

अहमदाबाद, 8 मार्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को तो वहीं न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने वानखेड़े स्टेडियम में करीबी मुकाबले में इंग्लैंड को सात रनों से हराया। इस दौरान स्टेडियम में भारत के पूर्व क्रिकेटर एमएस धोनी, रोहित शर्मा और कई खिलाड़ी टीम को सपोर्ट करने के लिए मौजूद रहे। वहीं टीम इंडिया का उत्साह बढ़ाने के लिए पूर्व क्रिकेटर एमएस धोनी भी अहमदाबाद पहुंचे हैं। एमएस धोनी रविवार सुबह अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुएथाई खिलाड़ियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से की मुलाकात, खिलाड़ियों को दिया प्रोत्साहन

जयपुर, 8 मार्च। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को मुएथाई खेल के खिलाड़ियों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की बधाई दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिन्होंने मुएथाई खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। एशियाई ओलंपिक यूथ गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ी मुदित गुप्ता को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर श्रीराम मार्शल आर्ट के निदेशक और खिलाड़ियों के मेंटर श्रीराम चौधरी ने उपमुख्यमंत्री को मोमेंटो और मैगजीन भेंट की तथा मुएथाई खेल के बारे में जानकारी दी। दिया कुमारी ने खिलाड़ियों को इस खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 33 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव श्रीराम चौधरी के निर्देशन में राजस्थान ने प्रतियोगिता में पहला रनरअप खिताब भी हासिल किया।

'राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है'

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ में 1000 करोड़ रु. के विकास कार्य शुरु किए व लाडो प्रोत्साहन पोर्टल लॉंच किया

हनुमानगढ़ /जयपुर,8मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज की वह धुरी हैं, जिसके सशक्त होने से ही समाज प्रगति और देश विकास करता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला अधिकार, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूकता का आह्वान करते हुए आधी आबादी की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया।

शर्मा रविवार को हनुमानगढ़ के धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आधी आबादी के सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य में 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई हैं। वहीं, 1 लाख 39 हजार स्वयं सहायता समूहों को 679 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत सात किस्तों में डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों का विकास सुनिश्चित कर रही है। वित्तीय वर्ष बजट 2026 में गेहूं की एमएसपी पर 150 रुपये के अतिरिक्त बोनस से गंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र के किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। वहीं, आईजीएनपी और गंगनहर में पुनर्निर्माण और फिरोजपुर फीडर विकास कार्य से किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ में खालों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये भी दिए है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को हनुमानगढ़ की धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं को सुनिश्चित कर रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पेट्रोल और डीज़ल के मूल्य में कमी कर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों को बडी राहत दी है।

इस दौरान शर्मा ने हनुमानगढ़ में 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना पोर्टल लॉन्च किया। लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना और बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिलाओं से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- **इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी कहा कि हनुमानगढ़ के खालों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए दिये गये हैं, जिससे किसानों की समृद्धि का मार्गप्रशस्त होगा।**
- **उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना, बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना व लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि अंतरण किया।**

बाइक सवार परिवहन विभाग के उड़नदस्ते की चपेट में आया

जयपुर, 8 मार्च। विश्वकर्मा थाना इलाके में दिल्ली -अजमेर हाईवे पर रोड नंबर -14 के समीप रविवार दोपहर करीब 1 बजे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस की गाड़ी की चपेट में आने एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए हाईवे जाम कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से समझाईश कर मामला शांत कराया।

- **स्थानीय लोगों ने विरोध में रास्ता जाम किया।**

थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर 1 बजे के करीब विश्वकर्मा 14 नंबर पुलिया के पास ताला गांव निवासी गौतम मीना (27) रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस की गाड़ी के चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक बिना हेलमैट पहने अपनी बाइक के पीछे सीमेंट का कट्टा बांध कर जा रहा था और फर्स्ट लाइन में चलते-चलते अचानक से डिवाइडर की ओर आ गया, तभी पीछे से आ रही आरटीओं सेकेंड उड़नदस्ते की गाड़ी ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिवहन निरीक्षक सकीला बानो उड़नदस्ता गार्ड के साथ घायल गौतम को लेकर पहले तो सीके बिड़ला अस्पताल और बाद में सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुँची। बताया जा रहा है की घायल युवक की हालत खतरे से बाहर है।

ईरान के ड्रोन हमले से कुवैत के एयरपोर्ट फ्यूल डिपो में आग लगी

सीएनएन के अनुसार कुवैत की जिस सरकारी बिल्डिंग पर हमला हुआ वह होटल फोर सीज़न्स के पास है

कुवैत सिटी, 08 मार्च। अमेरिका-इज़रायल के ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच कुवैत पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। कुवैत ने कहा कि ड्रोन से सरकारी इमारत को निशाना बनाया गया। ड्रोन हमले में एयरपोर्ट के फ्यूल डिपो में भयंकर आग लग गई।

कुवैत की सरकारी न्यूज़ एजेंसी (कुना) के हवाले से सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुवैत में एक सरकारी बिल्डिंग को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। यहां पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्यूरिटी का हेडक्वार्टर भी है। हमले में इस स्थान की सामग्री को नुकसान पहुंचा है। यह बिल्डिंग लगभग 22 मंजिला है और कुवैत सिटी सेंटर के पॉश अल सूर डिस्ट्रिक्ट में है। इसके बगल में होटल फोर सीज़न्स है। यहां से कुछ फासले पर हैं।

पब्लिक इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल सिक्योरिटी के कार्यवाहक निदेशक ने बताया कि बिल्डिंग के कई गार्ड्स को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डेटा सुरक्षित है। इसके अलावा कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो फ्यूल डिपो पर भी ड्रोन हमला हुआ।उनमें से एक में भयंकर आग लग गई। कुवैत फायर फोर्स ने कहा कि टीम अभी सरकारी बिल्डिंग और फ्यूल डिपो में लगी आग बुझाने का काम कर रही है। कुना का कहना है कि यह हमला ऐसे समय पर हुआ, जब कुवैत का एयर डिफेंस दुश्मन ड्रोन की लहर का सामना कर रहा है।

- **सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रविवार को ईरान के हमले में 21 ड्रोन इन्टरसैप्ट किए गए। बहरीन के मीना सलमान बंदरगाह पर एक जगह आग लगी।**

उल्लेखनीय है कि ईरान ने माफी मांगने के बावजूद फारस की खाड़ी के देशों पर बमबारी की है। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि सेंट्रल बेरूत में रमाडा होटल की बिल्डिंग के एक अपार्टमेंट पर इज़रायली हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। हैरानी की बात है कि इज़रायल ने हिजबुल्लाह के नियंत्रण वाले दक्षिणी इलाकों के बजाय मध्य बेरूत के बीचों-बीच हमला किया।

संसद सत्र का दूसरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे।

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिला मजिस्ट्रेट, सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर और एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट इसके लिए जिम्मेदार हैं। उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है?

केंद्रीय गृह सचिव ने इस पर जवाब मांगा है। केंद्र और टीएमसी सरकार के बीच यह टकराव राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे को लेकर हुआ है।

भाजपा का आरोप है कि ममता बनर्जी की राज्य सरकार ने राष्ट्रपति की बेइज्जती की। वहीं, ममता बनर्जी ने बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा पर देश के सबसे बड़े पद का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने बंगाल में हुए कार्यक्रम को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने हैरानी जताई थी कि उनके दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे क्यों मुलाकात नहीं की?

इसके अलावा उन्होंने कहा था कि आम तौर पर राष्ट्रपति आ रहे होते हैं, तो मुख्यमंत्री को स्वागत करना चाहिए। दूसरे अन्य मंत्रियों को भी मौजूद रहना चाहिए। लेकिन वह नहीं आईं। गवर्नर बदल गए हैं। नहीं आ सके। लेकिन क्योंकि तारीख तय हो गई थी, इसलिए मैं आई हूं।

तीसरे दिन भी जारी रहा ममता बनर्जी का धरना

कोलकाता, 08 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एसआईआर के बाद मतदाता सूची में कथित मनमाने तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चल रहा धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। टीएमसी सुप्रीमो ने भाजपा पर वैध मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए चुनाव आयोग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब राज्य विधानसभा चुनावों से पहले चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चुनाव आयोग की पूरी पीठ कोलकाता पहुंचने वाली है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक नींव पर अभूतपूर्व और प्रत्यक्ष हमला हो रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने "एक राष्ट्र, एक नेता, एक पार्टी" के उन्माद में, अपने जन-विरोधी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को व्यवस्थित रूप से हथियार बना रही है।

देश की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी देश के विकास के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

शंकराचार्य पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्रह्मचारी ने ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर अपनी जान बचाई। इस हमले में आशुतोष महाराज को कई जगह चोट आई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के मुताबिक वो मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 12 मार्च को होने वाली सुनवाई के लिए आए हैं।इसके अलावा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन शोषण आरोप के मामले में भी हाईकोर्ट में उन्हें जवाब दाखिल करना है। दोनों मामलों की पैरवी में वो आए हैं।

ऊर्जा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईंधन भंडारण स्थलों पर हमलों के कारण तेहरान में वायु गुणवत्ता पर असर पड़ा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह स्थिति अस्थायी है और इसे ईरान के लोगों की दीर्घकालिक समस्याओं से अलग संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908